संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 346
पृष्ठ 8
मंगलवार
09 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अंतिम समय में इंसान के मुंह में क्यों...

विचार- अभी और बदलेगे ट्रंप के बोल

खेल- 26 साल के हुए 'प्रिंस'; वनडे में...

आमजन से व्यवहार ठीक रखें जनसेवक, दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

- जमीन के आए मामलों का भी लिया संज्ञान
- आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर हर पीड़ित के साथ खड़ी है सरकार
- गाजीपुर से आए दिव्यांग को सीएम ने दी इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश भर से आये पीड़ितों की शिकायतें सुनीं और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जनता दर्शन में 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे। सहारनपुर से आई महिला ने बताया कि उनके पास राशन कार्ड नहीं है। जब वे राशन लेने गईं तो राशन डीलर अभद्रता करता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर जनसेवक आमजन से व्यवहार ठीक रखें। किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा। सोमवार को जनता दर्शन में सर्वाधिक मामले जमीनी विवाद से जुड़े आए। प्रयागराज से आए सीआरपीएफ के जवान ने भी जमीन से जुड़े मामले को लेकर सीएम के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन को इस प्रकरण के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। शामली से भी एक महिला अपनी शिकायत लेकर आईं, बताया कि उनके पति असम में तैनात हैं। उन्होंने भी बताया कि प्रयागराज में जमीन ली है, लेकिन कब्जा लेने में परेशानी आ रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पत्र लेकर कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दर्शन में आईं मंजू देवी त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि अपोलो में इलाज चल रहा है। इलाज के लिए आर्थिक सहायता दिला दी जाए। इस पर सीएम ने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। आप भी अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं। आपके इलाज में खर्च की चिंता सरकार करेगी। जनता दर्शन में दिव्यांग भी पहुंचे। गाजीपुर से दिव्यांग उधम यादव ने पेंशन बढ़ाने, आयुष्मान कार्ड, हैंडपंप व आवास दिलाने को लेकर सीएम को प्रार्थना पत्र दिया। सीएम ने तत्काल उनकी समस्या के समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अफसरों को निर्देश दिया। सीएम ने उधम यादव को इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक भी प्रदान की।

बच्चों को दी चॉकलेट, पढ़ाई के बारे में पूछा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्जनता दर्शनश में अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा-पुचकारा। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर अपनत्व का अहसास कराया। कुछ बच्चों की पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली। सीएम योगी ने चॉकलेट-टॉफी प्रदान किया और पढ़-लिखकर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य बनाने का आशीर्वाद दिया।

वैश्विक व्यापार चुनौतियों को अवसर में बदलने की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत को वैश्विक व्यापार चुनौतियों को नए अवसरों में बदलने के लिए अपनी असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाना चाहिए। मुर्मू ने इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लैटिनम जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात दशक में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्यों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को अवसरों में बदलने की आवश्यकता है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाएं और उत्पाद भारत की एक बड़ी ताकत हैं। पिछले 10 साल में, भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं, इसको देखते हुए निर्यात में यह वृद्धि और भी प्रभावी लगती है। राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम किया है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण, ईईपीसी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पक्ष होने के नाते, ईईपीसी को और भी दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए। मुर्मू ने कहा, ''दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्र भारत में हैं। ईईपीसी से जुड़े पक्षों को उचित प्रोत्साहन और एक परिवेश उपलब्ध कराके भारत को एक वैश्विक नवोन्मेष केंद्र बनाने के विचार के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं दुनिया में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और समृद्ध हैं। उन्होंने ईईपीसी के सभी पक्षों से देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक अनुकूल परिवेश प्रदान कर भारत को एक अग्रणी नवोन्मेषी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

छत्तीसगढ़ के जंगलों में माओवादी ठिकाने से आग्नेयास्त्र और विस्फोटक बनाने की सामग्री का जखीरा बरामद

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के जंगल में सुरक्षाकर्मियों ने एक माओवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर आग्नेयास्त्र और विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का जखीरा बरामद कर उसे नष्ट कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने उसूर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुंजेपरती गांव के पास जंगल से यह बरामदगी की। उन्होंने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 229वीं और 196वीं (यंग प्लाटून बस्तरिया) इकाइयों तथा कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजॉल्यूट एक्शन) की 205वीं बटालियन के संयुक्त दस्ते ने 'गुंजेपरती फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' (एफओबी) से तलाशी अभियान के दौरान माओवादी ठिकाने का पता लगाकर इसका भंडाफोड़ किया। उन्होंने बताया कि बरामद वस्तुओं में एक खराद मशीन, एक विद्युत जनरेटर, एक पानी पंप, एक विद्युत कटर, एक हाइड्रोलिक सिलेंडर, मोटर पार्ट्स, स्टील की प्लेट और आग्नेयास्त्र, विस्फोटक और दवाइयां बनाने में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्रियां शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि बरामद सभी उपकरण और सामग्री को सुरक्षा मानदंडों के अनुसार नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने माओवादियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है।

रसायन कारखाने में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौत

पीथमपुर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर स्थित एक कारखाने में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर पीथमपुर क्षेत्र के बगदून थाना क्षेत्र में स्थित श्री सागर लूब्रीकेंट ऑयल में हुई। धार के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने बताया की रविवार रात तीनों मजदूर कारखाने में रासायनिक टैंक की सफाई कर रहे थे, तभी वे जहरीली गैस की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि इस हादसे में सुशील कुमार (30), दीपक (35) और जगदीश (32) की मौत हो गई तथा तीनों के शव इंदौर के महाराजा यशवंतराव (एमवाय) अस्पताल भेज दिए गए हैं। इस घटना के संबध में जब कंपनी के प्रबंधक लोकेश गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया, ''संयंत्र में काम करने के दौरान अचानक गैस लीकेज हुई, जिसमें एक मजदूर बेहोश हो गया। इसके बाद उसके दो साथी उसे उठाने पहुंचे, जिससे वे भी इसकी चपेट में आ गए।'' डावर ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है और इसकी रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा विधायक केतकी सिंह पर अभद्र टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक केतकी सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान मनियर थाना क्षेत्र के सांगापुर गांव के निवासी पिंटू यादव (35) के रूप में हुई जिसे पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया।

रेप केस के दोषी को मिलेगा 25 लाख का मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों दिया ये फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार की उस दोषी को रिहा न करने के लिए कड़ी आलोचना की, जिसने अपनी सात साल की सजा पूरी कर ली थी और जिसके कारण उसे 4.7 साल से ज़्यादा की अतिरिक्त कैद हो गई।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने राज्य की इस चूक पर गंभीर चिंता व्यक्त की और दोषी की बढ़ी हुई कैद के लिए अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया। न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार को दोषी को 25 लाख रुपये का मुआवज़ा देने का निर्देश दिया। न्यायालय ने इस मामले में राज्य के वकील द्वारा दायर भ्रामक हलफनामों की भी आलोचना की।

मामला क्या था?

दोषी को मूल रूप से 2004 में मध्य प्रदेश के एक सत्र न्यायालय द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376(1), 450 और 560बी के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन 2007 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने उसकी सजा घटाकर सात साल कर दी थी। 2014 में अपनी सजा पूरी करने के बावजूद, उसे जून 2023 तक रिहा नहीं किया गया और उसे 4.7 साल और जेल में बिताने पड़े।

यह मामला तब प्रकाश में आया जब दोषी ने निर्धारित सजा से अधिक समय तक जेल में रहने के लिए न्याय की मांग करते हुए एक याचिका दायर की। सर्वोच्च न्यायालय ने शुरू में कहा कि दोषी ने आठ साल से अधिक समय तक गलत कारावास की सजा काटी है, लेकिन बाद में मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता नचिकेता जोशी ने बताया कि दोषी कुछ समय से जमानत पर बाहर है।

हालाँकि प्रारंभिक प्रस्तुतीकरण से संकेत मिलता है कि दोषी को आठ अतिरिक्त वर्षों के लिए कारावास दिया गया था, आगे स्पष्टीकरण से पता चला कि गलत कारावास की अवधि लगभग 4.7 वर्ष थी। न्यायालय ने मामले को संभालने के राज्य के तरीके पर सवाल उठाया, खासकर जब यह पता चला कि भ्रामक हलफनामे दायर किए गए थे, जिनमें दोषी की रिहाई की समय-सीमा का गलत विवरण दिया गया था।

ग्रेट निकोबार द्वीप प्रोजेक्ट पर राहुल गांधी ने जताई चिंता, शेयर किया सोनिया गांधी का लेख

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक लेख सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना द्वारा निकोबार के लोगों और उसके नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर हो रहे अन्याय को उजागर किया गया। ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना, ग्रेट निकोबार द्वीप पर भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य समग्र विकास और रणनीतिक स्थिति बनाना है, जिसमें एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक ऊर्जा संयंत्र और एक टाउनशिप शामिल है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना एक दुस्साहस है, जो आदिवासियों के अधिकारों को कुचल रही है और कानूनी व विचार-विमर्श प्रक्रियाओं का मज़ाक उड़ा रही है। इस लेख के माध्यम से, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी इस परियोजना द्वारा निकोबार के लोगों और उसके नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर हो रहे अन्याय को उजागर करती हैं। इसे अवश्य पढ़ें। द हिंदू के एक संपादकीय में, सोनिया गांधी ने चिंता जताई कि यह परियोजना ष्दुनिया के सबसे अनोखे वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक के लिए ख़तरा है और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है।

रांची में हत्या के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। रांची के बाहरी इलाके में 45 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। हत्या की वारदात रविवार शाम रातू थाना क्षेत्र के झारखराटांड स्थित एक घर में हुई।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान कुणाल गोप, बब्लू गोप, जगमोहन कुमार, इमरोज अंसारी, श्रीचंद प्रजापति और विजय महतो के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रवीण पुष्कर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "कुणाल मुख्य साजिशकर्ता था। प्रजापति और महतो ने बलमा को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं, लेकिन गलती से रवि को गोली लग गई।

उसे चार गोलियां लगीं। कुणाल और बलमा के बीच पुरानी दुश्मनी थी।" पुष्कर ने बताया कि रवि (45) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हमले में बलमा घायल हो गया जिसका रांची के रिम्स में इलाज किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, "संदिग्धों के पास से तीन पिस्तौल बरामद की गईं। संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

अपने 75वें जन्मदिन पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान शुरू करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वर्ष 17 सितंबर को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आधिकारिक शुभारंभ करेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान भारत में महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत करने के लिए आयोजित किया गया है, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा तक बेहतर पहुँच प्रदान की जा सके और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाई जा सके, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ स्वास्थ्य सेवा अभी भी

एक विशेषाधिकार है। प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन पर शुरू किया जाने वाला यह कार्यक्रम, स्वस्थ भारत के निर्माण के सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का हिस्सा है। जेपी नड्डा के ट्विटर पोस्ट के अनुसार, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के दौरान, सरकार पूरे भारत में लगभग 75,000 स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगी। ये शिविर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में लगाए जाएँगे, जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पहुँचेंगे। इन शिविरों में महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाएँगी, जिनमें निवारक देखभाल, जाँच और उपचार शामिल हैं।

चिकित्सा सेवाओं के अलावा, देश भर के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण माह भी मनाया जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण पहल है जो भारत में परिवारों के समग्र कल्याण में सुधार के लिए पोषण जागरूकता, स्वस्थ आहार और जीवनशैली संबंधी आदतों को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगी। सरकार का मानना घ्है कि जमीनी स्तर पर पोषण और जागरूकता स्वस्थ समुदायों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की सफलता लोगों की सामूहिक भागीदारी पर निर्भर करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निजी अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और अन्य सभी हितधारकों से इस स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान में आगे आकर सक्रिय योगदान देने की अपील की है।

संस्थापित 2001 संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालयः 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002

M.: 9005239332, 9450482227

E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

समाज की प्रगति के लिए महिलाओं का विकास जरूरी : संत रीता

प्रयागराज। संत निरंकारी महिला मंडल की ओर से रविवार को निरंकारी सत्संग भवन बैरहना में क्षेत्रीय निरंकारी महिला संत समागम का आयोजन किया गया। इस मौके पर महिलाओं ने गीत, कविता, विचार, नाटक आदि प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी।

अध्यक्षता कर रहीं संत रीता ने कहा कि परिवार व समाज के लिए महिलाओं को सर्वांगीण विकास जरूरी है। महिलाओं के विकास के बिना समाज की प्रगति अधूरी है। महिलाओं का उत्थान जितना जरुरी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक रूप से है उतना ही जरुरी आध्यात्मिक रूप से भी है। महिलाओं के विकास से समाज के प्रति उनका विचार सकारात्मक रहेगा। इस मौके पर शशि चंदुका, सुष्मिता कानूनगो, राधेश्याम मौजूद रहे। स्वागत सेवादल संचालक अशोक कुमार ने किया।

भारत विकास परिषद ने शिक्षकों, छात्रों को किया सम्मानित

प्रयागराज। भारत विकास परिषद् समृध्दि शाखा की ओर से रविवार को जीवन ज्योति ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट नैनी में गुरुवंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके परमुख्य अतिथि इविवि प्राचीन इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ. हर्ष कुमार ने कहा

कि यह संगठन समाज के संपन्न प्रबुद्ध वर्ग के माध्यम से समाज के भावी पीढ़ी को संस्कारित करता है।विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय बबुआ ने गुरु शिष्य परंपरा पर प्रकाश डाला। स्वागत इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. आरके पांडेय ने किया। इस मौके पर शिक्षकों और मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।प्रधानाचार्या डॉ.विभा मिश्रा, कुसुम पांडेय, शिवनन्दन गुप्ता, निशा जायसवाल, अनूप चन्द्र जैन, सुनील धवन,महासचिव अमित श्याम, आरपी शर्मा, मधुबाला श्रीवास्तव, रश्मि शुक्ला मौजूद रहीं।

गर्दन में दर्द व कंधों में तनाव पर फिजियोथेरेपी कारगर

प्रयागराज। बीमारियों का निदान ऑपरेशन व दवाओं के नियमित सेवन से नहीं बल्कि फिजियोथेरेपी से भी पुख्ता तौर पर मुमकिन है। खासकर जोड़ों, कमर, रीढ़ में दर्द व अन्य शारीरिक परेशानियों में फिजियोथेरेपी से इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या अस्पतालों में लगातार बढ़ रही है। एसआरएन, बेली और कॉल्विन अस्पताल के हड्डी रोग विभाग की ओपीडी से इस समय प्रतिदिन 60 से 70 मरीजों को फिजियोथेरेपी की सलाह दी जाती है। इसका लाभ बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को मिल रहा है।

बेली अस्पताल में तो फिजियोथेरेपी के साथ जरूरत के मुताबिक मरीजों को योगाभ्यास भी कराया जाता है। बेली अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय राजपाल ने बताया कि मोबाइल ज्यादा प्रयोग करने से गर्दन में दर्द, जकड़न, सिरदर्द, कंधों में तनाव होता है। यदि अगर दर्द लंबे समय तक बना रहे या झंझनाहट महसूस हो तो डॉक्टर की सलाह पर फिजियोथेरेपी करानी चाहिए। एसआरएन अस्पताल के आर्थो विभाग में स्थित फिजियोथेरेपी कक्ष में प्रतिदिन 10–12 मरीजों की नियमित फिजियोथेरेपी की जाती है।

वीर सेनानी पूर्व सैनिक कल्याण समिति का पदाधिकारियों का मनोनयन

प्रयागराज। पूर्व सैनिकों की संस्था वीर सेनानी पूर्व सैनिक कल्याण समिति के नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। तपोवन पार्क में रविवार को आयोजित बैठक में पूर्व सूबेदार बछराज सिंह अध्यक्ष, पूर्व सूबेदार जी यादव महामंत्री मनोनीत किया गया।

श्याम सुंदर सिंह पटेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आईसी तिवारी, हरिश्चंद्र सिंह, सूबेदार सिंह उपाध्यक्ष, अमर सिंह संगठन मंत्री, एसएन मिश्रा कोषाध्यक्ष, बच्चालाल प्रजापति लेखा परीक्षक के साथ आरएन प्रसाद, भूपेश कुमार गुप्ता, मुकेश मिश्रा, बीएन सिंह, पीएसपी शर्मा, सुरेश चंद्र, विनोद कुमार सिंह, सतपाल श्रीवास्तव प्रचार मंत्री तथा रणवीर सिंह, नरोत्तम त्रिपाठी, मोहम्मद शाहिद उस्मानी ,एम हसन, प्रमोद कुमार, एसपी सिंह समेत 29 पूर्व सैनिक कार्यकारिणी सदस्य चुने गए हैं। नई कार्यकारिणी के चयन के बाद सभी ने संस्था के अध्यक्ष रहे आरए,स उत्तम को श्रद्धांजलि दी। बैठक में कई योजना और पूर्व सैनिकों की मांगों पर चर्चा की गई।

पाट दिए कुंए, तालाबों पर बन गए मकान, कैसे होगा जल संरक्षण

प्रयागराज। सैदाबाद भूजल स्तर में लगातार गिरावट हो रही है। पेयजल के पारम्परिक साधन कुंए, नदी, तालाब का अस्तित्व संकट में है। भूजल पेयजल का प्राथमिक स्रोत है। भूजल की कमी के कुछ प्रमुख कारणों में भूजल का अत्यधिक दोहन, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। उपयोग किए जाने वाले कुल जल का लगभग 70 प्रतिशत भूजल स्रोतों से प्राप्त होता है। देश के अन्य हिस्सों की तरह क्षेत्र की भी स्थिति दुरूह होती जा रही है। ऐसे में भूजल संरक्षण और संवर्धन के प्रति आम आदमी कितना गंभीर है, यह महत्वपूर्ण है। अब सरकार को कोसने का वक्त गया। जल के प्राकृतिक स्त्रोत हमारे जीवन के लिए कितना महत्व रखते हैं, मगर हमने ऐसे जलस्त्रोतों पर ही कब्जा कर लिया।

कंओं को दफन कर दिया और तालाबों पर अट्टालिकाएं खड़ी हो गईं। नदी क्षेत्रों में भी भवनों की श्रृंखला तन गईं। वहीं मकानों में जल संरक्षण के बाबत कोई इंतजाम नहीं और न ही लोगों को इसके प्रति जागरूक करने का कोई सरकारी प्रयास ही किया गया। सिर्फ सरकारी भवनों में जल संरक्षण का इंतजाम कर औपचारिकता पूरी कर ली गई। इस बार बारिश तो हुई लेकिन जल संरक्षण के पर्याप्त इंतजाम न होने से उसका भी कोई लाभ मिल पाएगा कहना कठिन है। सरकारी आकंड़ों में हंडिया में 4149 तालाब है जिसका कुल रकबा 2378.3734 हेक्टेयर है। हंडिया के लगभग सभी तालाबों पर स्थानीय लोगों द्वारा मकान बना लिए गए है। कई तालाबों को खाली कराने के लिए प्रशासन द्वारा नोटिस भी दी गई है लेकिन अभी तक तालाबों को प्रशासन खाली नहीं करा पाया है। पहले गावों में प्राकृतिक संसाधनों तालाबों, झीलों, चेकडैम एवं मेड़बंदी के जरिए बरसाती पानी रिचार्ज कर लिया जाता है। जहां तालाब नहीं थे वहां तालाब भी बनवाए जाते थे। चेकडैम बनाने की जिम्मेदारी लघु सिंचाई समेत कुछ अन्य विभागों और मेड़बंदी की जिम्मेदारी भूमि संरक्षण विभाग को है। भारत में प्रागैतिहासिक काल से भूमिगत जल का इस्तेमाल हो रहा है। कुंए जलापूर्ति के महत्त्वपूर्ण साधन रहे हैं। मत्स्य पुराण में भी कुंआ खोदे जाने का उल्लेख

है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खोदाई से पता चला है कि 3000 ई.पू. में सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों ने ईंटों से कुंओ का निर्माण किया था। मौर्यकाल में भी ऐसे कुओं का उल्लेख मिलता है। चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल 300 ई.पू.के दौरान कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी रहट के जरिए कुंओं से सिंचाई का विवरण प्राप्त होता है। कृषि आधारित इस जिले में भूजल स्तर की गहराई में क्षेत्रवार भिन्नता काफी है, जो चिंताजनक है। मुख्य रूप से भूगर्भीय संरचना और क्षेत्र में किए जा रहे पानी के दोहन व वहां हो रही वर्षा पर भूजल स्तर निर्भर है। सैदाबाद जैसे छह ब्लाकों में भी भूगर्भ जल स्तर खतरे में है। इन्हें सेमी क्रिटिकल वर्ग में रखा गया है। भूजल संरक्षण और संवर्धन के प्रति सरकार कितनी संवेदनशील हैं, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। इसके लिए तमाम सरकारी विभागों को बजट तक उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। ऐसे में भूजल संरक्षण और संवर्धन के लिए विभाग जागरूकता अभियान तक सिमटे हैं। साल में एक बार सप्ताह भर के कार्यक्रम में होने वाली गोष्ठियों के जरिए सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थाओं और लोगों को इसके बारे में जानकारियां दी जाती हैं। इसके बाद विभाग सो जाते हैं। क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में भूगर्भ जल को सहेजने के लिए अब सोक पिट मददगार बनरहे है। ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक हैंडपंपों और सबमर्सिबल पंप के पास बनने वाले सोक पिट के जरिए पानी को जमीन के अंदर पहुंचाया जाता है। सैदाबाद की दस ग्राम पंचायतो में वर्तमान वित्तीय वर्ष में 250 शोक पीट बनाए गए है। तालाबों पर कब्जे से नहीं हो पाती जलनिकास ग्राम पंचायतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होना तथा तालाबों पर अवैध कब्जे होना जलभराव के कारण है। सरकार की मंशा के अनुरूप सभी ग्राम पंचायतों के तालाबों को अतिक्रमण से मुक्त कराए जाने की है किंतु जिम्मेदार कर्मचारियों की हीला–हवली के चलते तालाब कब्जा मुक्त न होकर दिनों दिन अतिक्रमण का शिकार होते जा रहे हैं।जिम्मेदार अधिकारियों से तालाबों के अतिक्रमण मुक्त कराए जाने के बारे में सवाल किया जाता है तो जवाब मिलता है कि अगर कहीं शिकायत मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी। अब सवाल ये बनता है कि क्या क्षेत्रीय लेखपालों और ग्राम प्रधानों के पास ग्राम के तालाबों के बारे में कोई लेखा जोखा नहीं होता। अगर होता है तो क्या इन लोगों की स्वयं की जिम्मेदारी नहीं है। अगर है तो शिकायत का इंतजार क्यों।कर्मचारियों की लापरवाही के चलते ही अधिकांश ग्राम पंचायतों में तालाबों को पहले कूड़ा कचरा से भरकर समतल किया जाता है फिर मकान बना लिए जाते हैं। गांवों व बाहर खाली कुओ का प्रयोग जल संरक्षण के लिए किया जा सकता है। कुएं भूगर्भ जलस्तर को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। गांव में इकट्ठा हो रहे बारिश के पानी को कुओ के माध्यम से भूगर्भ तक पहुंचाया जा सकता है। कुंओं व तालाबों का सामाजिक महत्व पुराने समय में कुंआ और तालाब एक ओर जहां पीने का पानी और फसलों के सिचाईं के लिए काम आता था वहीं पर उसके किनारे स्थित मठ–मन्दिर पूजा के लिए भी लोग जाया करते थे। तालाबों के किनारे प्रातरू कालीन नित्य क्रिया, स्नान, भोजन, पशुओं के लिए पानी और गृह निर्माण कार्य तालाब के पानी सें सम्पन्न होते हैं। शादी विवाह में तालाबों से लाई गई मिट्टी से चूल्हे बनाए जाते थे। शादी के बाद वर वधू को तालाब के किनारे ले जाते थे। जिम्मेदार बोले जल संरक्षण जन सहयोग का विषय सरकार जल संरक्षण को लेकर काम कर रही है।पर्यावरण की स्थिति गंभीर है। सरकार की प्राथमिकता जल संरक्षण है। लोगो को भी जागरूक होना होगा। जल संरक्षण को लेकर कई कार्यक्रम चलाए जा रहे है। –दीपक सिंह पटेल, विधायक फूलपुर हैंडपंपो के पास शोक पिट बनाए जा रहे है। पंचायत सचिवालय बड़ी बिल्डिंगे है वहां वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाया गए है। जल संरक्षण के लिए नालो की सफाई की जा रही है जिससे पानी निकासी के साथ पानी संरक्षण भी हो जाता है। अमृत सरोवर बनाए जा रहे है। –सुनील सिंह, खंड विकास अधिकारी, सैदाबाद

वैश्विक जलवायु में परिवर्तन के कारण वर्षा कम हो रही है। दैनिक क्रिया कलाप प्रभावित हो रहा है। रैन वाटर हार्वेस्टिंग की अनिवार्यता जरूरी है। परंपरागत तरीके से जल का सरंक्षण करेंगे। गांवों में बन रही बिल्डिगों में जल संरक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। पानी बह रहा है कोई देखने वाला नहीं है। तालाबों को जीवित करने की आवश्यकता है। सामूहिक श्रम से जहां तालाब पट रहे है श्रमदान के माध्यम से तालाबो को जीवित करने की जरूरत है। –प्रो आचार्य जोशी, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय सैदाबाद जल संरक्षण एक ऐसा ज्वलंत मुद्दा है देश ही नहीं पूरा विश्व परेशान है। रैन हार्वेस्टिंग सिस्टम सभी बन रही बिल्डिंगों में लगाया जाना चाहिए। एक एक बूंद पानी बचाने की आवश्यकता है। जल के संरक्षण के लिए बच्चों को जागरूक करने की आवश्यकता है। आने वाली पीढ़ी के लिए विकराल समस्या हो सकती है। प्रो शुभा जोशी, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, धनुपुर जल संरक्षण के लिए घर में टपकते नल व पाइपों की मरम्मत करें, कम पानी का उपयोग करें और आवश्यकतानुसार पानी बंद रखें। बगीचे में वर्षा जल इकट्ठा करें, देशी पौधों का प्रयोग करें और सुबह जल्दी या देर शाम सिंचाई करें। खेतों में स्प्रिंकलर या ड्रिप सिंचाई का प्रयोग करें। इसके अलावा, वनीकरण करें, वर्षा जल संचयन करें और जल प्रदूषण को नियंत्रित करें। –अंकित सिंह, समाजसेवी घर में किसी भी छोटे–बड़े लीक को तुरंत ठीक करें, क्योंकि इससे हर साल पानी की बड़ी बर्बादी होती है। ब्रश करते समय, हाथ धोते समय या शेविंग करते समय पानी का नल बंद रखें।कम पानी की खपत वाले शॉवरहेड और वाशर का उपयोग करें। –अडिग त्रिपाठी बगीचे में रेन बैरल या अन्य बड़े वर्षा जल संचयन तंत्र का उपयोग करें और एकत्रित पानी का उपयोग पौधों को पानी देने और बाहर की सफाई के लिए करें। कम पानी की आवश्यकता वाले देशी पौधों का चुनाव करें जो स्थानीय जलवायु के अनुकूल हों। –रमेश चतुर्वेदी, समाजसेवी

सनसनीखेज वारदात, पिता ने की कुल्हाड़ी से काट कर बेटे की हत्या, पत्नी–बेटी को भी धमकी

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में इलाके के अहिबीपुर गांव में रविवार रात पिता–पुत्र के बीच हुए विवाद के बाद सोते समय पिता ने बेटे की कुल्हाड़ी से गला काट कर हत्या कर दी।

घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपित पिता को कुल्हाड़ी के साथ दबोच लिया है। मुंह खोलने पर पिता ने अपनी पत्नी और बेटी को जान से मारने की धमकी दी है।

सोरांव थाना क्षेत्र अहिबीपुर गांव निवासी लालजी यादव उर्फ बहराइच खेती किसानी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं । रविवार रात बेटा विनोद कुमार यादव (27) से घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया। पत्नी फूला देवी एवं बेटी अचन ने समझा बुझा कर इसी तरह

मामला शांत कराया। देर रात बेटा विनोद कुमार यादव कमरे में सो रहा था, इस दौरान पिता लाल यादव ने पत्नी फूला देवी एवं बेटी अंचन को कमरे के अंदर बंद कर विनोद की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दिया। पत्नी और बेटी को धमकी दी कि मुंह खोलने पर दोनों की हत्या करने को कहा। पड़ोसियों की माने तो नशे में धुत्त लालजी यादव हत्या के बाद कुल्हाड़ी लेकर घर के अंदर टहल रहा था।

सोमवार सुबह पड़ोसियों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा ने आरोपी पिता लालजी यादव को कुल्हाड़ी के साथ दबोच कर थाने ले गए। घटना को लेकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मृतक विनोद कुमार यादव तीन भाइयों में सबसे बड़ा है। विनोद कुमार मुंबई में प्राइवेट काम करता था। एक पखवारा पूर्व गांव आया है। विनोद कुमार की शादी नहीं हुई थी।

प्रदेशभर में विश्वविद्यालयों व कालेजों की मान्यता की जांच के आदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की मांग पर प्रदेश सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। अब प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की सघन जांच होगी। शासन ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के केंद्रीय मीडिया टोली के सदस्य अभिनव मिश्र ने बताया कि इस बाबत परिषद ने शासन से मांग की थी। इस पर शासन ने आदेश जारी कर कहा है कि प्रत्येक मंडलायुक्त अपने–अपने मंडल के हर जनपद के लिए विशेष जांच टीम गठित करेंगे। इन टीमों में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, एक पुलिस विभाग का अधिकारी और एक शिक्षा विभाग का अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल होगा। जांच के दौरान प्रत्येक संस्थान से शपथ पत्र लिया जाएगा, जिसमें यह स्पष्ट करना होगा कि केवल मान्यता प्राप्त कोर्स ही संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही संचालित सभी कोर्सों की सूची और सम्बंधित मान्यता–पत्र या विश्वविद्यालय/बोर्ड/नियामक निकाय की स्वीकृति प्रस्तुत करनी होगी। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि किसी भी छात्र का दाखिला बिना मान्यता वाले कोर्स में न हो। आदेश के बाद छात्रों और अभिभावकों में राहत है कि अब उनकी शिक्षा और भविष्य सुरक्षित रहेगा।

असीसी का पंद्रह मिनट मेरे जीवन का अनमोल लम्हा : मस्करेन्हस

प्रयागराज। वेटिकन सिटी में रविवार को जब रोमन कैथोलिक चर्च के धर्मगुरु पोप लियो–14 ने संत की उपाधि कार्लो एक्यूटिस को दिए जाने की घोषणा की। ठीक उसी समय उसका सीधा प्रसारण देख रहे इलाहाबाद डायोसिस के बिशप लुईस मस्करेन्हस को सितंबर 2024 का वह लम्हा याद आने लगा जब बिशप इटली की राजधानी रोम से 45 किमी दूरी पर स्थित गांव असीसी में कार्लो एक्यूटिस के पार्थिव शरीर के सामने खड़े थे। मस्करेन्हस ने बताया कि बिशप होने के नाते मुझे पंद्रह मिनट तक उनके पार्थिव शरीर के सामने प्रार्थना करने की अनुमति प्रदान की गई थी। मैं अपने को धन्य मानता हूं। जिस समय मैंने असीसी के परिसर में प्रवेश किया, वह मेरे जीवन का अनमोल लम्हा था और एक अद्भुत अनुभव था। अंदर जाने पर चारों ओर अजीब सी शांति महसूस होने लगी। उन्हें देखकर ऐसा लगा कि कार्लो एक्यूटिस मरे नहीं है बल्कि सो रहे हैं। रविवार को पोप लियो के संत की उपाधि दिए जाने से अभिभूत बिशप ने बताया कि वर्ष 2006 में 15 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था। ल्यूकेमिया से जूझने के बाद कार्लो का निधन हुआ था। उनके

चमत्कारों की वजह से हर कोई उन्हें ईश्वर का प्रभावशाली व्यक्ति कहा जाता है। असीसी में उनके पार्थिव शरीर को रखे जाने के बाद समुदाय के लाखों देखने के लिए जा चुके हैं। बिशप ने बताया कि कार्लो मिलेनियल पीढ़ी के पहले कैथोलिक संत बने हैं।

ब्राह्मण समाज उत्थान सेवा संस्था के पदाधिकारी मनोनीत

प्रयागराज। प्रदीप गर्ग को ब्राह्मण समाज उत्थान सेवा संस्था का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। सिविल लाइंस स्थित एक होटल में रविवार को आयोजित समारोह में सीवी मिश्रा, मनोज द्विवेदी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। बीएन मिश्रा को संस्था की कौशांबी इकाई का जिला सचिव, आदित्य द्विवेदी को

मंडल सचिव (प्रयागराज) बनाया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के कई लोगों को संस्था की सदस्यता दिलाई गई। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्याम प्रकाश द्विवेदी और राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी ने समारोह में आए मेहमानों का् भगवान परशुराम का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री राजेंद्र कुमार त्रिपाठी, राष्ट्रीय अध्यक्ष विधि विष्णु दत्त मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष आशीष दुबे, प्रदेश प्रभारी संतोष पांडेय, रजनीश शुक्ला अमन पांडेय, प्रियव्रत तिवारी आदि मौजूद रहे।

अशोक नगर के पंडाल में झलकेगी काशी की विरासत

प्रयागराज। अशोक नगर दुर्गा पूजा समिति की ओर से बनाए जा रहे पूजा पंडाल की थीम काशी की कला–संस्कृति रखी गई है। 50 फीट ऊंचे तैयार हो रहे मुख्य द्वार से पंडाल में प्रवेश करते ही जनमानस को ऐसा एहसास होने लगेगा कि वह काशी की विरासत को देख रहा है। बाबा विश्वनाथ का दरबार, नमो घाट, अस्सी घाट व हरिशचंद्र घाट का नजारा दिखाई देगा तो संकटमोचन मंदिर व काल भैरव महाराज का अप्रतिम स्वरूप लोगों को आकर्षित करेगा। इतना ही नहीं लस्सी व पान की दुकान का नजारा भी पंडाल के भीतर दिखाया जाएगा। अशोक नगर के दुर्गा पूजा पार्क में पंडाल का निर्माण कार्य एक अगस्त से शुरू हुआ है।

प्रयागराज के कारीगर सदाशिव पांडा की अगुवाई में कोलकाता से आए 40 कारीगर 100 फीट लंबा, 140 फीट ऊंचा पंडाल तैयार कर रहे हैं। पंडाल 25 सितंबर तक बनाकर समिति को सौंप दिया जाएगा। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित नियोगी ने बताया कि 61वें वर्ष के महोत्सव में मुख्य द्वार पर 20 फीट की नाव वास्तविक स्वरूप में दिखाई देगी। पंडाल का पूरा परिवेश काशी की कला–संस्कृति पर केंद्रित किया गया है। इस बार की थीम पर अभिनव प्रयोग करने का निर्णय तीन महीने पहले समिति के अध्यक्ष मुन्ना भइया व सचिव देवाशीष दास से वार्ता के बाद लिया गया था। मां दुर्गा का आगमन पंचमी तिथि को पंडाल में होगा और षष्ठी से दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ होगा।

मिस टीन इंडिया 2025 के फाइनल में तन्वी ने बनाया टॉप 25 में स्थान

प्रयागराज। प्रयागराज निवासी बद्रीप्रसाद मौर्य और अंजली मौर्य की बेटी तन्वी मौर्य ने मिस टीन इंडिया 2025 के फाइनल में टॉप 25 में जगह बनाकर प्रयागराज का नाम रौशन किया है।

सिविल लाइंस प्रयागराज की रहने वाली तन्वी ने इससे पूर्व देश के कोने कोने से आये हजारों प्रतियोगियों के बीच प्रतिभाग कर सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश किया था। 3 सितम्बर को दिल्ली में लगभग 100 प्रतिभागियों के बीच हुए फाइनल मुकाबले में उन्हें टॉप 25 में जगह मिली। फाइनल मुकाबले के बाद दिल्ली से अपने गृहनगर प्रयागराज आयी 17 वर्षीय इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग की छात्रा तन्वी मौर्य ने बताया कि इस सफर से इस बात की सीख मिली कि निरंतर प्रयास, लगन व परिश्रम से अपने किसी भी सपने को पूरा किया जा सकता है। तन्वी का लक्ष्य है कि वह मॉडलिंग और ग्लैमर की दुनिया मे अपनी पहचान बनाकर अपने परिजनों सहित जिले का नाम रौशन करे। तन्वी के माता पिता को अपनी बेटी पर गर्व है और वे उसे अपना भविष्य बनाने के लिए पूरा समर्थन देंगे।

डॉक्टर पूर्णिमा पांडे की बाल काव्य पुस्तक बाल वाटिका का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज। होटल कलेवम के सभागार में लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित साहित्यकार एवं कवियत्री डॉ पूर्णिमा पाण्डेय की बाल काव्य पुस्तक ष्बाल वाटिकाष का विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार और समाजशास्त्री प्रो रवि कुमार मिश्र ने की। गुफ्तगू पत्रिका के संपादक श्री इम्तियाज़ अहमद गाज़ी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहे। केंद्रीय विद्यालय मनौरी के प्रधानाचार्य श्री मनीष त्रिपाठी,

व्यंजना आर्ट गैलरी की सचिव डॉ मधु शुक्ला और साहित्यकार जया मोहन ने मंच पर विशिष्ट अतिथि की भूमिका निभाई।कार्यक्रम का आरंभ गायिका अलका श्रीवास्तव की सरस्वती वंदना से हुआ। डॉ पूर्णिमा पाण्डेय ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो रवि कुमार मिश्र ने अपने संबोधन में पुस्तक में निहित बाल मनोविज्ञान की व्याख्या की। मुख्य अतिथि ने पुस्तक की लेखिका की बहुमुखी प्रतिभा की प्रंशसा की। जया मोहन ने पुस्तक की कविताओं को बाल मन से जुड़ने वाली कहा। डॉ मधु शुक्ला ने समाज मे और अधिक बाल साहित्य लिखे जाने की आवश्यकता बताई। प्राचार्य मनीष त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज मे लोगों को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। प्रसिद्ध बाल साहित्यकार श्री वीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि ष्बाल वाटिकाष पुस्तक को हर बच्चे को अवश्य पढ़ना चाहिए। योगेंद्र मिश्रश्विश्वबंधुश ने बाल साहित्य की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त,डॉ राकेश मालवीय,मंजू तिवारी,पी सी पाण्डेय, आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन रंजन पाण्डेय ने किया। राकेश पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर ,आश्विन,राजश्री,पूनम पाण्डेय,प्रियम, सुमिता, रमा पाण्डेय, रंजना अविनाश, आशीष मिश्र, रत्नेश श्रीवास्तव, नीलम, सुमिता, उपेंद्र, रचना सक्सेना,आदि उपस्थित रहे।

नए प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन

प्रयागराज। शशि यादव तिकोना महिला पतंजलि योग समिति प्रयागराज द्वारा आर्शीवाद गेस्ट हाउस नया कटरा में नए प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को सर्टिफिकेट वितरित किया गया कार्यक्रम में महिला पतंजलि योग समिति से जिले एवं राज्य की सभी प्रभारी एवं योग

शिक्षिकाएं उपस्थित रही। अच्छा कार्य करने वाली योग प्रशिक्षिका तेलियरगंज तिकोना पार्क की शशी यादव को अंग वस्त्र एवं ट्रॉफी के द्वारा प्रभारी की तरफ से पुरस्कृत किया गया।

इस कार्यक्रम में तेलियरगंज, से आई हुई महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जन समुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर रंजना वाजपेई विशिष्ट अतिथि जीवन ज्योति हॉस्पिटल के डायरेक्टर वंदना बंसल जी राज्य प्रभारी सुनीता दुबे, जिला प्रभारी शुभम सिंह, एवं सदर प्रभारी सुनीता तिवारी,के साथ सावी, सीमा प्रकाश , प्रसून,संध्या, अरुणिमा, रश्मि, रागिनी, सोनिया ,सुमन,नूतन ,मेनका , बीना, प्रीति , सुशीला,राधा,निकिता, वंदना,गीता, किरण,शशि, आदि सैकड़ों महिलाओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया है।

सीएमपी डिग्री कालेज में राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ

प्रयागराज। आज सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। 23 सितंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की औपचारिक शुरुआत मां वीणा वादिनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन मुख्य वक्ता प्रो आशुतोष पार्थेश्वर एवं हिंदी विभाग की संयोजिका प्रो सरोज सिंह द्वारा किए जाने के साथ हुई।

इसके उपरांत कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए प्रो आभा त्रिपाठी जी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना से सभी को अवगत कराया।इसके उपरांत प्रो सरोज सिंह ने स्वागत वक्तव्य के माध्यम से मुख्य वक्ता के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालते हुए सभी को उनकी उपलब्धियों से अवगत कराया।

इस मौके पर बतौर मुख्य वक्ता प्रोफेसर आशुतोष पार्थेश्वर ने 'चांद' पत्रिका के हवाले से उस समय के राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डाला

जिसमें स्त्री अधिकारों और संघर्षों पर बात करते हुए, पार्वती देवी, जानकी बाई का सवाल–जवाब, लाहौर में कस्तूरबा गांधी का जिक्र किया। साथ ही मेरठ की सभा में 1929 मोतीलाल नेहरू द्वारा स्वदेशी के महत्व का जिक्र किया। जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे जवाहरलाल नेहरू की मां उनके जेल जाने से खुश होती थी क्योंकि उनके परिवार में स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने तथा स्वदेश प्रेम की बातें होती थीं। उन्होंने प्रेमचंद की विभिन्न कहानियों पर भी विशेष प्रकाश डाला।

तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने हिंदी के राजभाषा और राष्ट्रभाषा के मुद्दे पर प्रकाश डाला। साथ ही विद्यार्थियों को तार्किक वैचारिकी अपनाने पर बल दिया।

इस उद्घाटन सत्र का कुशलतापूर्वक संचालन डॉ . जी गणेशन मिश्रा द्वारा किया गया। उन्होंने आगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रमों में अधिक से अधिक बच्चों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके उपरांत प्रोफेसर दीनानाथ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही यह उद्घाटन सत्र समाप्त हुआ। इस अवसर पर हिंदी विभाग के समस्त शिक्षकगण डॉ राजेंद्र यादव, डॉ प्रेमशंकर सिंह, डॉ रंजीत सिंह, डॉ पूजा गौड़, डॉ भारती कोरी, डॉ रमाशंकर सिंह, डॉ रामानुज यादव और प्रियंका गोंड एवं अनेक शिक्षक शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेडल प्राप्त विद्यार्थियों के चेहरे खिले

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के पूर्व आयोजित दीक्षोत्सव के अन्तर्गत विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए पुरस्कार वितरण एवं प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से कार्यक्रम समन्वयक अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। संयोजिका डॉ. मिश्रा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के अन्तर्निहित रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना दीक्षोत्सव का मुख्य प्रयोजन है। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों ने बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया था। कार्यक्रम के अंतर्गत काव्य लेखन, चित्रकला, निबन्ध, भाषण, लोकनृत्य, देशभक्ति गीत तथा खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। निबन्ध प्रतियोगिता में शाम्भवी द्विवेदी को प्रथम, आकांक्षा को द्वितीय तथा शुभम त्रिपाठी को तृतीय स्थान मिला। काव्य लेखन प्रतियोगिता में हर्षिता सिंह को प्रथम, अनुपम द्विवेदी को द्वितीय तथा निधि श्रीवास्तव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। भाषण प्रतियोगिता में निवेदिता को प्रथम, इशिता

धारिया को द्वितीय तथा सानिया केसरवानी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

देशभक्ति प्रतियोगिता में राहुल यादव को प्रथम, विशाल द्विवेदी को द्वितीय तथा श्रेयस श्रीवास्तव को तृतीय स्थान मिला। चित्रकला प्रतियोगिता में शची शुक्ला को प्रथम, आर्यन को द्वितीय तथा प्रिन्स शर्मा को तृतीय स्थान मिला। खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत सौ मीटर दौड़ में अनम्ता बानो, सौरभ पाण्डेय, आठ सौ मीटर दौड़ में शिवानी पाल, अभय सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में सौम्या यादव, अजय तिवारी तथा रस्साकसी प्रतियोगिता में आदित्य तिवारी, काजल यादव को प्रथम स्थान मिला। विजेता प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। संचालन शिवानी सिंह ने किया। डॉ. पीयूष मिश्र ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर सहसंयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय, डॉ. प्रदीप त्रिपाठी, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. श्वेता श्रीवास्तव, डॉ. प्रिया झा, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. अखण्ड प्रताप, डॉ.नारायण दत्त, डॉ. श्वेता शाही, डॉ. भावना कुमारी, डॉ. सोनम राय, डॉ. विशाल कुमार सिंह, डॉ. मनीष यादव, डॉ. विवेक अग्रहरि, डॉ. बब्लू यादव, डॉ. माहेरुख खान, डॉ. राहुल श्रीवास्तव इत्यादि शिक्षकगण सहित सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विज्ञान और तकनीक के प्रसार हेतु इं. हेमन्त को शिक्षक सम्मान मिला

लखनऊ, संवाददाता। सिंचाई विभाग कार्यरत अभियंता हेमन्त कुमार को एक बार फिर सम्मानित किया गया है। जिला बिजनौर के गाँव फीना निवासी इं. हेमन्त कुमार को समाज में विज्ञान तथा जनोपयोगी तकनीक के प्रसार और भवन निर्माण तकनीक जन जागरण अभियान के संचालन हेतु जिला चित्रकूट में शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस सम्मान पर उनके इष्टमित्रों ने उन्हें बधाई दी। शिक्षा तथा सामाजिक जनजागरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और व्यक्तियों को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सम्मानित करने के लिए वृंदावन गार्डन अमानपुर कर्वी जिला चित्रकूट में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें हेमन्त कुमार भी सम्मानित किये गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉव बाबूलाल तिवारी शिक्षक विधायक झांसी प्रयागराज खण्ड सदस्य विधान परिषद, तथा कार्यक्रम आयोजक पण्डित जगदीश प्रसाद गौतम सामाजिक कार्यकर्ता एवं आपदा–राहत सहयोग भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र डी आई ओ एस तथा शिक्षक विधायक प्रतिनिधि विवेक कुमार श्रीवास्तव ने आंमत्रितगण को सम्मान पत्र एवं डॉव सर्वपल्ली राधाकृष्ण का चित्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के सूत्रधार पंडित जगदीश प्रसाद गौतम रहे। हेमन्त कुमार न तो अध्यापक हैं और न ही आपकी आजीविका अध्यापन कार्य हैं। परन्तु समाज में भवन निर्माण तकनीक हरियाली विस्तार इतिहास संवर्धन और विज्ञान के प्रसार में आपने बहुत बड़ा कार्य किया है। भवन निर्माण क्षेत्र में जन जागरण के लिए हेमन्त कुमार ने भवन निर्माण तकनीक जनजागरण अभियान की शुरुआत 2000 के आसपास जिला चित्रकूट में की थी। इस अभियान के अंतर्गत इन्होने चार जनोपयोगी पुस्तकों का लेखन कर निःशुल्क वितरण कराया। इस अभियान के अंतर्गत अनेक जन जागरण गोष्ठीयां आयोजित की जा चुकी हैं। साथ ही टेलीफोनिक मार्गदर्शन भी दिया गया। भवन तकनीक से जुड़ी इनकी चारों पुस्तक इंटरनेट पर निःशुल्क पढ़ी जा सकती हैं। हेमन्त कुमार ने विज्ञान विषयों पर अनेक लेख लिखे जो पत्र पत्रिकाओं में छपे।इनकी मंदिर निर्माण तकनीक से जुड़ी पुस्तक चित्रों के झरोखे से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण ने इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में नाम दर्ज कराया।जनोपयोगी तकनीकी लेखन के लिए आपको उत्तर प्रदेश सरकार ने डॉव सम्पूर्णानंद नामित पुरस्कार और पचहत्तर हजार की धनराशि देकर सम्मानित किया जा चुका है। हेमन्त कुमार के सात आविष्कारों को भारत सरकार से पेटेंट मिल चुका है। नदी अभियांत्रिकी में जनोपयोगी तथा उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए जल शक्ति मंत्री तथा विभागाध्यक्ष सिंचाई ने हेमन्त कुमार को प्रदेश स्तरीय ए एन खोसला पदक प्रदान किया। हेमन्त कुमार ने एमबैंकमेंट ऐसेट्स मैनेजमेंट सिस्टम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया और राजकीय ध न की बड़ी बचत कराई। यह सिस्टम बाढ़ की विभीषिका को कम करने में सहायक है।हेमन्त विज्ञान के अलावा इन्होंने हरियाली विस्तार पर भी सराहनीय जन जागरण किया है। हेमन्त कुमार चित्रकूट के सिंचाई विभाग में लम्बे समय तक रहे। इन तथ्यों के दृष्टिगत इनके द्वारा समाज हित में किये गए उच्च कोटि के विज्ञान प्रसार कार्यों हेतु यह सम्मान प्रदान किया गया।

स्कूल से लौट रहे छात्र के ऊपर से थार गुजरी,बाल–बाल बचा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में स्कूल से लौट रहे क्लास–2 के छात्र को तेज रफ्तार थार ने टक्कर मार दिया। छात्र सड़क पर गिर गया। थार उसके ऊपर से गुजर गई। गनीमत रही कि छात्र थार के पहियों के नीचे नहीं आया, वर्ना बड़ा हादसा हो जाता। थार ड्राइवर मौके से गाड़ी सहित फरार हो गया। थार के नंबर के आधार पर पुलिस उसकी पहचान करने की कोशिश कर रही है। घटना सोमवार दोपहर करीब 1.30 बजे हजरतगंज में साहू सिनेमा के सामने हुई। घटना में छात्र के पैर में चोट आई है। वह घटना से काफी डरा हुआ है। छात्र की पहचान क्लास–2 का छात्र कुंज के रूप में हुई। वह स्कूल की छुट्टी होने के बाद पैदल ही घर जा रहा था। साहू सिनेमा के पास सड़क पार करने लगा। इस बीच तेज रफ्तार थार (यूपी 32 पीडब्लयू 6978) ने उसे टक्कर मार दी। वह सड़क पर गिर गया। थार उसके ऊपर से गुजर गई। थार का ग्राउंड क्लीयरेंस अधिक होने के कारण वह पहियों की चपेट में आने से बच गया।

गुलहजारा

(कुण्डलिया)

मौसम के अनुकूल ही, गुलमेहंदी–फूल।
स्वागत करने आ गये,देख फ़िज़ा माकूल।
देख फ़िज़ा माकूल, नमन पितृों को करते।
श्वेत रंग के साथ, विविध रंगों में दिखते।
सुन लो कहें प्रदीप, पंखुड़ी जिसकी शुचितम।
करके पितृ बखान, बताता समझो मौसम।।

गुलतेवड़ी गुला कहें, या गौरी के फूल।
रंग–बिरंगी दल हरित, नाम बहुत माकूल।
नाम बहुत माकूल,बालसम भी हैं सुनते।
गुलमेहंदी और गुलहजारा भी कहते।
सुन लो कहें प्रदीप,सुहानी देख पंखुड़ी।
मौसम के अनुकूल,महक रही गुलतेवड़ी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की सितम्बर माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी पुष्पा सिंह के संयोजन में तथा श्रद्धा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सीमा वर्णिका जी तथा विशिष्ट

अतिथि डॉ हेमा पांडे रहीं। यह काव्य गोष्ठी सायंकाल 5.00 बजे से 6.15 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही श्रद्धा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुनीता गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ. हेमा पांडे, पूनम पांडे, डॉ. सुषमा त्रिपाठी, सुनीता गुप्ता, सुषमा सिंह उर्मि , शिप्रा सिंह, पुष्पा सिंह , श्रद्धा श्रीवास्तव एवम् सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें । अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

सिविल डिफेंस ने नेक कार्य हेतु अहम भूमिका निभाई

लखनऊ, संवाददाता। मोहम्मद अख्तर जो पेशे से ऑटो चालक है। ऑटो चलते वक्त आहत नामक बच्चे का एक्सीडेंट हो गया था, जिसका इलाज नेपाल में हो चल रहा था। जिसमें काफी महंगा मेडिकल रिपोर्ट होने और पीड़ित परिवार के दबाव में लखनऊ में इलाज कराने को कहा गया, इसी बात को लेकर ऑटो चालक मोहम्मद अख्तर नेपालगंज से अवध बस डिपो यूपी 40 टी 9003 से बच्चे की इलाज रिपोर्ट लेकर लखनऊ गोमतीनगर उतारा। बस से उतने के बाद बस वह से चली गई और रिपोर्ट ना मिलने से मोहम्मद अख्तर बहुत परेशान हुआ। बस स्टैंड से पता किया तो बस चारबाग बस स्टैंड जाएगी। बस का पता करते हुए चारबाग बस स्टैंड आया।

सम्पादकीय.....

देवभूमि और दानवी हसरतें

देवभूमि में हाल की अभूतपूर्व त्रासदी ने हमें आत्ममंथन को बाध्य किया कि हमें पहाड़ों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। यह भी कि संसार में कुछ स्थान आध्यात्मिक व धार्मिक निमित्त ही होते हैं। जब उसे देवभूमि कहते हैं तो उसे देवी–देवताओं के लिये संवारना भी जरूरी है। उसी के अनुरूप कारोबार, बाजार व व्यवहार की व्यवस्था होनी चाहिए। होटल हों या रिट्रीट सेंटर– उस संस्कृति के अनुरूप ही बनें। सारी दुनिया में विभिन्न धर्मावलंबियों ने ऐसा ही किया है। उदाहरण के लिये वेटीकन सिटी को लें तो उसका परिवेश एक आध्यात्मिक नगरी के रूप में तैयार किया गया है। इसी तरह मक्का–मदीना को देखिए वहां पर लोग सिर्फ धार्मिक कार्यों के लिये ही जाते हैं। वहां सीमेंट फैक्ट्री, लिकर या क्लब का लाइसेंस मांगने कोई नहीं जाता। इतना सब कुछ होने के बावजूद एक रिच इंड्रस्टी की आधारभूमि भी बनी हुई है वेटीकन सिटी। आम आदमी सोचता है कि कहां आ गया मैं स्वर्ग में। हमारा हिमाचल बहुत ज्यादा बड़ा नहीं है, लेकिन विकृत व्यावसायिक पर्यटन ने इसके मूल–स्वरूप से खिलवाड़ किया है। जिसकी अनुमति पहाड़ का परिवेश नहीं देता है। देवभूमि, विशेषकर इसके पहाड़ी इलाके सिर्फ अध्यात्म की राजधानी बनने योग्य ही हैं। अब मनाली को ही लें, करीब चार हजार होटल हमने बना दिए हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि चार हजार होटल बनाने के लिये प्राकृतिक व्यवस्था का कितना अतिक्रमण किया गया होगा। कहने को कोई कह सकता है कि ये मेरी जमीन है। लेकिन जब होटल बनाओगे तो मिट्टी की स्थिति बदलेगी और पेड़ काटे जाएंगे। पहाड़ का स्ट्रक्चर हिलेगा। एक पहाड़ की संवेदनशील स्थिति में चार हजार होटल होना एक बड़ा नंबर है। वहीं दूसरी तरफ दया का तर्क है कि प्राकृतिक आपदा से होटल उद्योग ठप हो गया है। उनसे जुड़े बीस–तीस हजार लोगों की रोजी–रोटी का संकट है। लेकिन सवाल पर्यटकों के पहाड़ की संस्कृति के विरुद्ध आचरण का भी है। उसका व्यवहार सीखा–सिखाया तो नहीं होता जो पहाड की कल्चर व मर्यादा के अनुरूप हो। कुछ दिन मौज–मस्ती के लिये आया व्यक्ति प्रकृति के मूल व्यवहार में हस्तक्षेप तो करता है लेकिन आपदा के वक्त खिसक लेता है। जैसा कि हम मानते हैं कि देवभूमि है तो देवता है... तो जब हमारा आचरण प्रकृति के विरुद्ध होता है तो देवता की भी किसी बात पर नाराजगी तो हो सकती है। जो किसी बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है। हमें एक सांकेतिक कथा सुनायी जाती है– शिवजी द्वारा गणेश जी को उद्दंडता का दंड देने की। यह महज एक सांकेतिक कथा है। कोई पिता अपने पुत्र के साथ ऐसा नहीं कर सकते, खासकर देव तो बिल्कुल नहीं। सांकेतिक निहितार्थ यह हैं कि कोई भी मर्यादा से परे जाएगा तो फिर उसका नुकसान होगा ही। कमोबेश यह स्थिति हिमाचल और उत्तराखंड की है। ऐसी स्थिति हरिद्वार–ऋषिकेश से लेकर चारधाम तक की है। ये देवभूमि देवताओं की भूमि। इस 140 करोड़ के पूरे देश में इन दोनों राज्यों के पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की आबादी एक करोड़ के आसपास होगी। एक जैसे ही चार–पांच पहाड़ होंगे। इस पूरे इलाके को स्प्रीचुअल राजधानी को डेडिकेट कर दिया जाए। इसके विपरीत यदि अन्य कार्य होंगे तो नुकसान होगा। यहां समृद्ध मिनरल का खजाना है। प्राकृतिक खेती हो सकती है। हर्ब्स जीविका का आधार बन सकते हैं। उसके अनुरूप जीवन से ही ये पहाड़ संरक्षित रहेंगे। यहां पब व डिस्को कल्चर अवॉइड किया जाना चाहिए। अब देखिए चंडीगढ़ इतना सुंदर सिटी है। इसे आप डांस की सिटी बना दें। यूथ की सिटी बना दें। ऐसे में देवी–देवताओं के स्थान को डिस्को का केंद्र बनाने की कोई सेंस नहीं बनती। आगे मर्यादा की बात करें और पीछे से विलासिता, तो यह नहीं चलेगा। आम आदमी सरकार सारा दोष सरकार को दे देता है। उसने ये नहीं किया, वो नहीं किया। फिर यह राजनीति का मुद्दा बन जाता है। लेकिन हमने पहाड़ की अस्मिता को बचाने के लिये क्या किया...।पहाड़ों में विकास के गणित की विडंबना देखिए कि हमने कथित विकास में हजार करोड़ का इनवेस्टमेंट किया और चार हजार करोड़ का नुकसान हो गया। तो ये कैसा विकास हुआ... कुदरत का संदेश यही है कि जो जगह आपने मंदिर को दे दी, उस जगह में कॉमर्शियल बिल्डिंग मत बनाओ। हिमाचल व उत्तराखंड देवभूमि कही जाती हैं। बसों में लिखा भी होता है कि देवभूमि में आपका स्वागत है। लेकिन पहाड़ों में लौकिक समृद्धि से जुड़ी चीजें करना विकास नहीं हो सकता। सेंसिबल बात करें। ऊर्जाओं के साथ बात करें। एक तरफ हम देवभूमि की बात करें और दूसरे तरफ विकृति मौज–मस्ती की। स्प्रीचुअल राजधानी के विचार का बहुत बड़ा दायरा है। हमारे सामने हेल्थ टूरिज्म का विकल्प है। बशर्ते प्रकृति के अगेंस्ट न हों। स्प्रीचुअल कंस्ट्रक्शन प्लानिंग से भी किया जा सकता है। इसे कायदे से करने की जरूरत होगी। संवेदनशील पहाड़ों में सीमेंट फैक्ट्री बन रही हैं। किसी ने नहीं सोचा कि खनन व प्रदूषण आदि अन्य प्रक्रियाओं से प्रकृति को कितना नुकसान हुआ होगा। किसी को आइडिया नहीं कि पहाड़ की जड़ें कहां हैं, कहां नहीं और इसके दरकने का कोई समाधान नहीं है। पानी कहां से आ रहा है, कहां जा रहा। कुछ जगहों को ऐसी रहने दें जो आधुनिकता व विकास की विसंगतियों से दूर रह सकें।दुनिया में कई जगहें ऐसी हैं, जो सिर्फ और सिर्फ अध्यात्म व धर्म की जगहें हैं। तमाम मन की शांति की अच्छी चीजें बनी हैं। विश्व के लोगों की आत्मिक शांति के लिये बनी हैं। जहां लोग तमाम मनो–कायिक रोगों से ठीक होते हैं। यदि उचित प्रबंधन व दूरदर्शी नजरिया हो तो दस गुना आय हो सकती है। आज जल प्रलय से उपजी त्रासदी का ठीकरा ग्लोबल वॉर्मिंग के सिर फोड़ा जाता है। दुहाई कि ये सब ग्लोबल वॉर्मिंग की देन है। ये तो सोचें कि यदि चार बिल्डिंग की जगह हम चार सौ बिल्डिंग बना दें तो ग्लोबल वॉर्मिंग आएगी ही। हमने इतने सारे पेड़ काट दिए। सदियों से नदी के साथ पेड़ होते थे। व्यास नदी के बहाव के साथ दोनों किनारों पर पेड़ होते थे। जिससे वे किनारों की मिट्टी को पकड़ सकें। हाईवे बनाने के नाम पर सारे उड़ा दिए। हाईवे बना दिए मगर मिट्टी को कौन पकड़ेगा। कुदरत का इंतकाम देखिए कि तीस अगस्त को टूटे हाईवे पर काम किया फिर दो सितंबर की बारिश ने निर्माण को फिर उड़ा दिया। पहाडों का अपना सिस्टम है। मानवीय हस्तक्षेप ज्यादा पसंद नहीं है।विडंबना देखिए कि हाईवे के नाम पर 90 डिग्री पर पहाड़ काट दिए गए। चीन व ताइवान के विकास के मॉडल को देखिए। वहां भी पहाड़ के साथ सामंजस्य से सड़कें बनी, लेकिन 45 डिग्री के साथ। कितनी संवदेनशील इंजीनियरिंग यूज की गई। फलतः मलबा तेजी से नीचे नहीं आएगा। जबकि पहाड़ों को 90 डिग्री पर काटने–पीटने से सीधा मलबा नीचे गिरेगा। हाईवे बनाने के दौरान इतनी ब्लास्टिंग की गई कि हिमाचल के लोगों ने ऐसा जिंदगी में नहीं देखा।

अभी और बदलेगे ट्रंप के बोल

प्रेम शर्मा

भारत, चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, ईरान और यूएई आदि के 10 सदस्यीय ग्रुप की बैठक में टैरिफ पर चर्चा होने की संभावना है।

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने बयानों और निर्णय को लेकर शुरू से ही चर्चा में है। हाल में टैरिफ को लेकर वह पूरे विश्व में चर्चा में ही नही आए बल्कि इस निर्णय से उन्हें अपने ही देश में भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन भारत में भारी भरकम टेरिफ लगाने का खेल उन पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। अमरीकी के दादागिरी वाले निर्णय पर भारत की रणनीति के मद्देनजर ट्रप के बोल में बदलाव शुरू हो गया है। सम्भावना यह जताई जा रही है कि भारत को लेकर टैरिफ मामले में जल्द ही डोनाल्ड ट्रम्प बेकफुट पर नजर आएगें। भारी भरकम टैरिफ और रूसी तेल खरीदने के लेकर पिछले दो दशकों के सबसे गहरे तनाव के बीच ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पीएम मोदी की रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीन के नेता शी चिनफिंग के साथ तस्वीर पोस्ट हुए कहा था कि लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। इसका कूटनीतिक जबाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की गहराई से सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं. उन्होंने आगे कहा कि भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। ट्रंप भारत को लेकर अभी और लचीले होगें यह तय है। इसके पीछे एक दो नही बल्कि ऐसे कई निर्णय है जो भारी सरकार द्वारा लिये जा चुके हैं। जैसे ट्रंप के तमाम प्रयासों के बावजूद भारत रूसी तेल पर अपने पुराने रुख पर कायम रहा है। टैरिफ विवाद के बीच पीएम मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में शामिल होकर इशारों में ट्रंप को सख्त संदेश दिया था। प्रधानमंत्री मोदी इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना उच्चस्तरीय सत्र में शामिल नहीं होंगे। दूसरी तरफ ट्रंप के सख्त रवैये से रिश्तों में तनाव के बावजूद भारत–अमेरिका ट्रेड डील को लेकर पर्दे के पीछे से कोशिशें चल रही हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी ट्रेड डील नवंबर तक फाइनल होने की हाल ही में उम्मीद जताई थी। इस ट्रेड डील को लेकर लगभग सहमति बन चुकी है। कृषि और डेयरी जैसे कुछ क्षेत्रों पर बात अटकी हुई है. इसे लेकर अमेरिकी दल भारत आने वाला था। लेकिन इसी बीच ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद वार्ता थम गई। जाहिर बात है कि ये ट्रेड डील दोनों ही देशों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकती है। ऐसे में ट्रंप ये खतरा उठाने का जोखिम मोल नहीं लेना चाहेंगे। ट्रंप ने जिस तरह से भारत के ऊपर भारी भरकम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए, उसे लेकर उन्हें अपने ही देश में तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर 8 सितंबर को ब्रिक्स के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। भारत, चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, ईरान और यूएई आदि के 10 सदस्यीय ग्रुप की बैठक में टैरिफ पर चर्चा होने की संभावना है। निश्चित तौर पर यहाँ भी टैरिफ मामले में अमरीकी को लेकर कोई सार्थक रणनीति बन सकती है। यह सच है कि अमेरिका के लिए भारत आर्थिक, रणनीतिक, सामाजिक रूप से काफी अहम है। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ–साथ सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था भी है। 'एप्पल' ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'अमेजन' ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'गूगल' ने 22–23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और 'मेटा' ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। ऐसी कई अमरीकी कंपनियां है जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कमा रही हैं। ट्रंप का पीएम मोदी को लेकर दिया गया बयान यह संकेत दे रहा है कि वह भारत पर टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते है।, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे 'वैध।' करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है। अब राष्ट्रपति ट्रंप इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को 'शीत युद्ध' एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, राष्ट्रपति ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। दूसरी तरफ भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। अमरीकी कंपनियां भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक–तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऐसे में भारत के साथ कारोबार कम क्यों किया जा रहा है ? टैरिफ का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि रूस के साथ भारत, चीन के अलावा अमरीका और यूरोपीय देश भी तेल और गैस का धंधा कर रहे हैं। ऐसे वैश्विक परिदृश्य में अमरीका अकेला पड़ता जा रहा है। ऐसे में भारत को लेकर ट्रंप निश्चित तौर पर जल्द ही भारत के प्रति अपने बोल बदलेगें।

सुधाकंठ डा. भूपेन हजारिका' 'गीत संगीत की' 'रचना में रहे समर्पित'

सुधाकंठ

डॉ भूपेन हजारिका का रहन सहन साधा सरल होने के साथ साथ सोचने समझने का दृष्टिकोण विशिष्ट था। उनके कार्य को लीक से हटकर होना कहना भूल नहीं होगी । वे बेहतरीन अंदाज मे गीत संगीत में आंनदित रहना आदत बनाये रखे।

गीत संगीत के शौकीन खूब लुफ्त भी उठाते । डॉ हजारिका का उठना, बैठना, सोना, जागना, घूमना फिरना आदि में वास्तविकता का चित्रण कूट कूट कर रहता, इसके दक्ष माने जाते थे । डॉ हजारिका असमीया गीतों की रचना में भाषा ज्ञान की परिपक्कता से कार्य किये । उनके सभी गीतों

में असमीया भाषा ज्ञान का बीजारोपण शुद्ध सटीक साफ समाहित है, वे व्याकरण के आधार पर ही गीत रचते गए।

डॉ हजारिका गीतों की रचना में व्याकरण पर ध्यान केंद्रित

रखे इससे लेखनशैली और गायन शैली में निखार आया ।

इसमें पकड़ मजबूत रही । उनकी रचनाओं में भाषा ज्ञान और व्याकरण का आधार स्पष्ट झलकता है । उनकी लेखनशैली, गायनशैली में सुर स्वर लय बोल में मिठास है। वे हमेशा मीठे मधुर शब्दों को चयनिय किये । वे हृर्दयमन में अंकित हुए है । गीतों की अद्भुत कला उसकी सुगन्ध श्रोताओं को रास आती गई । उनकी मधुर आवाज मिठास श्रोताओं में बिखरती गई । गीत गायन का उतार चढ़ाव अत्यधिक रोचक रखे । सभी गीतों में शब्द व वाक्य की शुद्धता सटीक सुंदर मनभावनी रही । समन्वयक गीत रचाते रहे । बाल्यकाल से भाषाज्ञान पर डॉ भूपेन हजारिका की एकाग्रता का असर गीत संगीत में अनमोल धन बना । असमिया समाज की पहचान में डॉ हजारिका की भूमिका भी बेहतरीन रूप में निखरी।

गीतों की गायन शैली में असमीया भाषा और व्याकरण का आधार गुंजा । इसका वर्णन असरदार रहा।

उनके रचित गीत को सीखने औऱ समझने की खास जरूरत है । श्रोता उनके गीतों में नई शिक्षा नया सन्देश पाते है । उनके गीतों को बराबर सुनने को मजबूर होते है । उनके गीत गायन में

मानव को एकता में मजबूत करने की शक्ति है । माला की भांति एक एक पंक्ति में भावपूर्ण शब्दों को पिरोए है । वे शब्द

का मायाजाल गीतों में बिछा गए, वे गीत हृर्दयमन में बसे है।

इससे असमीया गीतों की रचनाएं निखरती रही । उनकी रचनायें श्रोताओं में अलख जगा ली । डॉ हजारिका

में अविवादित गीत लेखन की कला कौशलता हमेशा झलकी है । उनकी रचना में गीत संगीत का स्वाद मिलता

रहा,

विवाद कभी नहीं । अत्यंत ही सरल सुंदर मीठे शब्द त्वरित

रचने में माहिर थे । वे समसामयिक गीत को बेहद आकर्षक रूप में रचे । उनको हमेशा सराहा जाता है । डॉ

हजारिका अद्वितीय कहा जाता रहा । बृहत्तर असमीया जाति, भाषा के विकास में डॉ हजारिका का अतुलनीय योगदान

पग पग पर फलीभूत हुआ । उनकी घरेलू शिक्षा काफी उन्नत

रही, व्याकरण से गहरा लगाव रहना फिर असमीया भाषा के गीत को सटीक व्याकरण के आधार पर लिखकर पेश करने का पेचीदा कार्य सरलीकरण और सक्रिय किये । वे हमेशा धैर्य रखकर अपने कार्य को अंजाम दिए । उनके गीतों

में मेहनत का रंग भरा है । डॉ हजारिका की रचित भाषा

में गीतों का माध्यम प्रेरणादायक सबसे उच्चकोटि का स्थान अर्जित किया है । उनके गीतों को नई पहचान नई उड़ान मिल सकी । सबसे आश्चर्यजनक विषय यह है कि गीतों की रचना अवश्य लाभदायी प्रभावी रही। उनके गीतों से मानव के विचारों में नई कला बखूबी नए रूप में उभर गई ।

उनमें मधुर शब्द भरे, मधुर भरे बोल, गीतों के लेखनशैली में वाक्य रचना को जादुई करिश्मा तौर तरीके से वे निखारे। गीतों में अलंकृत शब्द मिलते है । वे गीत गायन में रसदार अनुभव होते है । डॉ हजारिका वाक्यों के गठन में लच्छेदार रसदार वाक्य को चुने। यह एक अलग अनूठी प्रतिभा रही।

लेखन व गायन में अलबेली मिठास भरने में

अथक परिश्रम करते गए । यह कह सकते है कि गीत स गीत के विशाल क्षेत्र में तप तपस्या और साधना में डॉ भूपेन हजारिका का वैचारिक दृष्टिकोण सर्वोपरि रहा ।निम्न सोच

से बिल्कुल परे था, किसी को ठेस पहुंचाना नहीं बल्कि सबके दिल को जीतने वाले ठोस गीतों की रचना में समर्पित

होना ही डॉ हजारिका की विचित्र कला थी । कई गीत सुनकर

श्रोता भावविभोर तक होते है । इसमें गम्भीर रहे, खरे उतरे। डॉ हजारिका के असीमित गीतों का खजाना बिना विवाद के है । सुधाकंठ डॉ हजारिका की आवाज की मिठास में कर्णप्रिय गीत का भंडार नई ऊर्जा प्रदान करता है।

डॉ हजारिका सामाजिक सांस्कृतिक जीवन का वास्तविक विश्लेषण किये । गीतों की कड़ियों में अंदरूनी सच्चाइयों का जिक्र है । श्रोता स्वतः चिंतन मंथन को विवश होते है।

उनके गीत के स्वर, धुन,लय, ताल, जन जन के मन मे बसे है । विश्वास से गीत संगीत की रचना में कार्य करना गुण था, सभी के लिए उसे प्रिय करना एक कला भी थी। श्रोता डॉ हजारिका से मंत्रमुग्ध रहते गीत संगीत का अनुभव क्षेत्रीय क्या राष्ट्रीय स्तर तक डॉ हजारिका ने विख्यात किया है।

ललित शर्मा असम

पेयजल की कमी से मचेगा हाहाकार

संजीव ठाकुर

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग हैसपृथ्वी की सतह का लगभग 70: भाग जल से आच्छादित हैसपृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97: समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है सअतः मात्र 3: जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है। यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी–बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ध।रण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार–तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध दवद–हवअमतदउमदजंस ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25: जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5: है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1: से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1: से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होगा कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रही पाकिस्तानी सिंगर पर भालू ने किया हमला, तंबू में सोते समय नोचे दोनो हाथ

पाकिस्तानी सिंगर कुरतुलैन बलूच इन दिनों बाढ़ पीड़ितों की मदद करने को लेकर काफी चर्चा में थीं, लेकिन इसी बीच उन पर हमला हो गया। इस हमले से आहत कुरतुलैन ने अपना दर्द सोशल मीडिया पर बयां किया है और साथ ही सोशल मीडिया पर उनकी घायल अवस्था की एक तस्वीर शेयर भी वायरल हो रही है। दरअसल, कुरतुलैन बलूच इन दिनों बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित बाल्टिस्तान के सुदूर गांवों में व्यापक आपदा प्रतिक्रिया सेवाओं (सीडीआरएस) के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों में मदद कर रही थीं, लेकिन इसी बीच सोते समय एक भालू ने उन पर हमला कर दिया। कुरतुलैन की टीम ने शनिवार को एक ऑफिशियल बयान जारी कर लिखा, 4 सितंबर 2025 की रात को जब वह अपने तंबू में सो रही थीं, तो उन पर एक भूरे भालू ने हमला कर दिया। सीडीआरएस टीम ने तुरंत भालू को भगाने की कोशिश की और वह भाग भी गया लेकिन उनके दोनों हाथों में चोट आई हैं। बयान में आगे लिखा गया–कुरतुलैन को तुरंत नजदीकी चिकित्सा सुविधा ले जाया गया। अब उनकी हालत खतरे से बाहर है। डॉक्टरों ने बताया है कि उनकी हालत स्थिर है। शुक्र है कि उन्हें कोई फ्रैक्चर नहीं हुआ है और वह अपने घावों से उबर रही हैं। सिंगर की टीम ने कहा कि कुरतुलैन को आराम की जरूरत है और उनके ठीक होने तक उनके सभी इवेंट पोस्टपोन कर दिए गए हैं, आप सभी उनके लिए प्रार्थना करें। सामने आई फोटो में देखा जा सकता है कि, कुरातुलैन घायल अवस्था में बैड पर लेटी हैं। उनके दोनों हाथ जख्मी हैं और दोनों हाथों पर पट्टी बंधी हुई है। बता दें, सिंगर कुरातुलैन ने

> “ कुरतुलैन की टीम ने शनिवार को एक ऑफिशियल बयान जारी कर लिखा, ४ सितंबर २०२५ की रात को जब वह अपने तंबू में सो रही थी, तो उन पर एक भूरे भालू ने हमला कर दिया। सीडीआरएस टीम ने तुरंत भालू को भगाने की कोशिश की और वह भाग भी गया लेकिन उनके दोनों हाथों में चोट आई हैं।

2011 में रेशमा के गाने अंखियां नू रेन दे के कवर से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्हें फवाद खान और माहिरा खान स्टारर पाकिस्तानी नाटक हमसफर में के गाने के लिए प्रसिद्धि मिली। इसके अलावा, उन्होंने 2016 में हिंदी फिल्म पिंक से कारी कारी में भी अपनी आवाज दी थी, जिसमें अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, कीर्ति कुल्हारी, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी अहम रोल में नजर आए थे।

मनीष पॉल ने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के गाने बिजुरिया के बीटीएस में दिखाया सरदार लुक

अभिनेता मनीष पॉल ने अपने फैन्स को एक खास तोहफा दिया है। उन्होंने आने वाली फिल्म सनी संकरी की तुलसी कुमारी के बहुचर्चित गाने बिजुरिया के शूट से बिहाइंड द सीन्स झलकियां साझा की हैं। यह धमाकेदार ट्रैक पहले ही दर्शकों के दिलों में जगह बना चुका है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा यह गाना अपनी एनर्जेटिक बीट्स और मस्ती भरे मूड से सबका दिल जीत रहा है। मनीष अपनी पहचान वाली चार्म और जबरदस्त एनर्जी के साथ गाने में जान डाल देते हैं, जिससे बिजुरिया एक सच्चा भीड़ खींचने वाला नंबर बन गया है। बीटीएस वीडियो में मनीष का एक रंग–बिरंगा सरदार लुक भी नजर आता है, जिसने फैन्स को और ज़्यादा एक्साइटेड कर दिया है। उनका यह नया और मजेदार अंदाज गाने में ताजगी का तड़का लगाता है। फुटेज में शूटिंग के दौरान सेट पर छाया मजा, मेहनत और पॉजिटिव वाइब्स साफ दिखाई देती हैं। हर फ्रेम में मनीष की मौजूदगी रौनक बढ़ा देती है। फैन्स भी उनकी मवितजसमे परफॉर्मेंस और गाने की हाई–वोल्टेज अपील की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बिजुरिया की लोकप्रियता के साथ–साथ सनी संकरी की तुलसी कुमारी को लेकर दर्शकों का उत्साह भी लगातार बढ़ रहा है। फिल्म दर्शकों को संगीत, रंग, मस्ती और मनीष का अनोखा जादू देने का वादा कर रही है।

गणपति विसर्जन के बाद अक्षय कुमार ने जुहू चौपाटी पर की सफाई, महाराष्ट्र के सीएम की पत्नी संग मिलकर उठाया कचरा

महाराष्ट्र में हर साल गणेशोत्सव की खूब धूम देखने को मिलती है। आम लोगों से लेकर सेलिब्रेटीज तक धूमधाम से बप्पा को घरों में विराजमान करते हैं और फिर ढोल नगाड़ों के साथ नाचते–गाते उनका विसर्जन भी करते हैं। वहीं, अब हाल ही में गणेश विसर्जन के बाद बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी और बीएमसी कमिश्नर के साथ सफाई अभियान चलाया, जहां से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अक्षय कुमार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी के साथ मिलकर गणेश विसर्जन के बाद चौपाटी पर पड़े कचरे और अवशेषों को इकट्ठा किया और थैलों में भरा। न्यूज एजेंसी से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा–ज्ञान हमें सिखाता है कि स्वच्छता बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। हमारे प्रधानमंत्री भी हमेशा यही कहते हैं कि सफाई सिर्फ सरकार या बीएमसी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनता की भी है। अक्षय का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स की खूब प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। अधिकतर यूजर्स एक्टर के इस कदम को दिखावा बता रहे हैं। बता दें, हाल ही में अक्षय कुमार ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के हाथ आगे बढ़ाया था। राहत सामग्री के लिए उन्होंने 5 करोड़ रुपये दान किए थे। इसे लेकर एक्टर ने कहा था–जब भी मदद का मौका मिलता है, मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं। मेरे लिए यह मेरी सेवा है, मेरा छोटा–सा योगदान है।

गुलाबी सावरिया' का टीजर हुआ रिलीज, दिव्या खोसला ने एक चतुर नार के नए गाने में बिखेरा देसी अंदाज

टी–सीरीज ने अपनी आने वाली कॉमेडी थ्रिलर एक चतुर नार के गाने 'गुलाबी सावरिया' का टीजर लॉन्च कर दिया है। यह एक रंगीन और जोशीला डांस नंबर है, जिसमें दिव्या खोसला अपनी अदाओं और एनर्जी से दर्शकों का दिल जीतती नजर आ रही हैं। गाने में देसी बीट्स, जबरदस्त जोश और होली के रंग–बिरंगे दृश्य इसे और भी आकर्षक बना देते हैं। यह ट्रैक एक दमदार टीम का मेल है कृ संगीत अभिजीत श्रीवास्तव का, स्वर सचेत टंडन और शिल्पा राव के, और बोल शायरा अपूर्वा ने लिखे हैं। कर्णप्रिय धुनों और त्योहारी रंगत से सजा 'गुलाबी सावरिया', फिल्म के एल्बम का सबसे खास गाना बनने का वादा करता है।

बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा स्टारर `बंदर', टीआईएफएफ में बन सकती है अनुराग कश्यप की सबसे विवादित फिल्म

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल से सीधे आ रही है चर्चा कि मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप की नई डायरेक्टोरियल वेंचर "बंदर", जिसे सुधीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखा है और जिसमें बॉबी देओल व सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, ने काफी हलचल मचा दी है। इस खुलासे के साथ फिल्म का प्रीमियर 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ। इस फिल्म को टीआईएफएफ में इस साल अनुराग कश्यप की सबसे रॉ, हार्ड–हिटिंग और विवादित फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म ने न सिर्फ अपने मैसेजिंग से दर्शकों को असहज किया बल्कि कानून द्वारा पुरुषों के प्रति निष्पक्ष व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। इस फिल्म में बॉबी देओल का ऐसा अवतार देखने को मिला है, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। क्रिटिक्स बॉबी की पूरी तरह से हुई इस ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ कर रहे हैं और

मानते हैं कि यह उनके करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस में से एक हो सकती है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा भी एक अहम भूमिका में नजर आती हैं और उन्होंने दिल छू लेने वाला प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपने किरदार को गहरी सच्चाई और मजबूती के साथ निभाया है, जो इस इंटेंस ड्रामा में उनकी मौजूदगी को सही ठहराता है। वहीं, सबा आजाद एक युवा, निडर महिला का किरदार निभा रही हैं और उसे स्क्रीन पर बेहद प्रामाणिकता के साथ उतारा है। सपना पब्बी इस फिल्म में एक ऐसी खुलासा करने वाली भूमिका में हैं, जिसके बारे में अभी बात करना फिल्म के रहस्य को बिगाड़ना होगा। एक्टर और प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी, जिन्होंने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है, उन्होंने एक बार फिर "वीरे दी वेडिंग" और सीटीआरएल के बाद बिल्कुल अलग और अनूठी कहानियों को बैक करने की अपनी पहचान बनाए रखी है।

अंतिम समय में इंसान के मुंह में क्यों डाला जाते है तुलसी और गंगाजल? यहां जानिए कारण

जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद का सफर कैसा होगा इस बात को लेकर दुनिया भर में कई मान्यताएं हैं। अक्सर देखा जाता है कि हिंदू धर्म में मृत्यु के समय व्यक्ति के मुंह में गंगाजल और तुलसी के पत्ते डाले जाते हैं। इस परंपरा का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसका उद्देश्य व्यक्ति की आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति और पापों से मुक्ति दिलाना है। इसके पीछे कुछ मुख्य कारण इस प्रकार हैं।

पवित्रता और शुद्धिकरण

गंगा नदी को हिंदू धर्म में अत्यधिक पवित्र माना गया है। ऐसा माना जाता है कि गंगाजल व्यक्ति के पापों को धो देता है और उसे शुद्ध करता है। मृत्यु के समय गंगाजल के सेवन से व्यक्ति की आत्मा पवित्र होती है और उसे मोक्ष की प्राप्ति में सहायता मिलती है।वहीं तुलसी को भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। तुलसी के पत्तों को मृत व्यक्ति के मुंह में डालने का अर्थ है कि उसकी आत्मा को भगवान विष्णु के श्रीचरणों में स्थान प्राप्त हो और उसे मोक्ष मिल सके।

आध्यात्मिक शक्ति

गंगाजल और तुलसी दोनों में आध्यात्मिक शक्तियां मानी जाती हैं। तुलसी के पत्ते और गंगाजल का सेवन व्यक्ति को आत्मिक शांति और भगवान के साथ संपर्क में आने में मदद करता है। गंगाजल और तुलसी के सेवन से व्यक्ति के मन में शांति और भक्ति का भाव जागृत होता है। यह उसे मृत्यु के समय भी भगवान की याद दिलाता है, जिससे उसकी आत्मा को शांति मिलती है।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मृत्यु के समय गंगाजल और तुलसी का सेवन करने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है और उसकी आत्मा स्वर्ग की ओर प्रस्थान करती है। यह परंपरा व्यक्ति के जीवन के अंतिम क्षणों में उसकी आत्मा को पवित्र और भगवान के समीप पहुंचाने का प्रयास करती है। यह हिंदू धर्म की एक महत्वपूर्ण धार्मिक प्रथा है जो मृत्यु के समय भी व्यक्ति को धर्म और अध्यात्म से जुड़े रहने का संदेश देती है।

खाली पेट रोजाना अंजीर खाने सेहत को मिलते हैं जबरदस्त फायदे, आज से शुरु कर दें इसका सेवन

अंजीर को अंग्रेजी में फिग कहते हैं। यह एक स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर फल है। इसके सेवन से हमारे शरीर में कई फायदे होते हैं। अंजीर में कई मुख्य पोषक तत्व होते हैं। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा, अंजीर में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा, आयरन, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन एल जैसे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो शरीर को हेल्दी रखता है। भिगोकर अंजीर के सेवन करने से बॉडी को मिलते ये फायदे।

डायबिटीज नियंत्रित रखता

अंजीर का सेवन करने से डायबिटीज को कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है। रात के समय 3–4 अंजीर भिगोकर रख दें, इसके बाद रोजाना सुबह इसके सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है।

हीमोग्लोबिन बढ़ता है

अंजीर एक अमृत फल है इसमें कई सारे पोषक तत्व पाएं जाते है। अंजीर में आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व होते हैं। रोजाना खाली पेट भीगे हुए अंजीर खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अंजीर को आप दूध के साथ भी खा सकते हैं।

कैंसर से लड़ता

अंजीर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। प्रतिदिन सुबह भीगे हुए अंजीर के सेवन से खतरनाक बीमारियों से बचा जा सकता है।

हड्डियां मजबूत होती

अंजीर में कैल्शियम, पौटेशियम और मैग्नीशियम होता है जो हड्डियों को मजबूत करता है और सूजन को भी कम करता है। भीगे हुए अंजीर खाने से आपकी हड्डियां मजबूत बनेंगी।

पाचन तंत्र बेहतर होता है

अगर आप रोजाना भीगे हुए अंजीर का सेवन करते हैं तो पाचन संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है।

छोटे किचन में इन तरीकों से बनाएं बर्तन रखने की जगह, आजमाएं ये हैक्स

किचन घर का दिल कहा जाता है और किचन में ही सबसे ज्यादा चीजें अव्यवस्थित रहती हैं। ऐसे में अगर किचन अव्यवस्थित होता है, तो किसी को भी देखकर अच्छा नहीं लगेगा। कई बार जल्दबाजी में हम बर्तनों को बेतरतीब ढंग से दराज में फेंक देते हैं। छोटे–छोटे टूल्स और अप्लायंसेस काउंटर स्पेस घेर लेते हैं और अलमारियां बर्तनों से भर जाती हैं। अव्यवस्थित किचन कम आकर्षक लगता है। जिसके कारण किचन में साफ–सफाई करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यदि आपका किचन छोटा है, तो आप किचन को इन ट्रिक्स की मदद से व्यवस्थित कर सकते हैं।

अंडर कैबिनेट हुक

खाना बनाने के लिए हमारे किचन में छोटे से लेकर बड़े सभी तरह के बर्तन होते हैं। ऐसे में सभी बर्तनों को एक साथ कैबिनेट में रखने से अच्छा है कि इनको व्यवस्थित तरीके से रखा जाए। आप किचन के बर्तनों को स्टोर करने के लिए अंडर कैबिनट हुक का इस्तेमाल कर सकते हैं। हर तरह के बर्तनों को टांगने के लिए आप अपने कैबिनेट के नीचे का उपयोग हुक या रेल लगाकर करें।

ड्रॉइर डिवाइडर्स

किचन में बर्तनों को एक साथ रखने से वह खराब हो सकते हैं। इसलिए अच्छा है कि आप बर्तनों को व्यवस्थित करने के लिए ड्रॉअर डिवाइडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप ड्रॉअर डिवाइडर में बर्तनों को व्यवस्थित तरीके से रख सकती हैं। इसमें आप छोटे–बड़े सभी बर्तनों को आसानी से रख सकते हैं। साथ ही बर्तन को ढूंढने के लिए हड़बड़ी भी नहीं होगी।

वर्टिकल ड्रॉअर इंसर्ट

ड्रॉअर स्पेस के अंदर सीधे खड़े होने वाले वर्टिकल ड्रॉअर इंसर्ट कर सकती हैं। इन जगहों को आप लैडल, स्पैटुला और चिमटे जैसे बर्तनों को टांग सकते हैं। यह आपके काउंटर स्पेस को बड़ा बनाता है और आपके पास ज्यादा स्पेस भी होगा। इससे खाना बनाना आसान होता है। बता दें कि इन इंसर्ट लगाने से ड्रॉअर स्पेस ज्यादा बढ़ता है। जिसमें आप अन्य बर्तन रख सकते हैं।

ढक्कन वाली कटलरी ट्रे

किचन में ऐसी एक ट्रे होनी चाहिए, जिसमें ढक्कन लग सके। बता दें कि ऐसी ट्रे कटलरी रखने के काम आती है और आप ढक्कन वाली कटलरी ट्रे अलग–अलग कटलरी जैसे– नाइफ, चम्मच और बर्तन आदि को व्यवस्थित कर सकती हैं। आप कॉम्पैक्ट जगह में बर्तनों को रख सकते हैं। वहीं कटलरी में धूल नहीं जमती और यह बर्तनों को भी व्यवस्थित रखता है।

हैंगिंग रैक या रेल

आप छोटी रसोई में चीजों को स्टोर करने के साथ डेकोर का भी ध्यान रख सकते हैं। आप बर्तन को स्टोर करने के लिए बास्केट या कंटेनर टांगने के लिए किचन की दीवारों पर हैंगिंग रैक या रेल लगवा सकती हैं। यह न सिर्फ दराज से बचाता है, बल्कि किचन को डेकोर भी करता है।

अलमारी में शेल्व

अक्सर कांच के बर्तनों को हम अलमारियों में रखते हैं। लेकिन अगर किचन में बर्तन रखने की अलमारी हो, तो आप उसमें 2–3 शेल्व और लगवा सकते हैं। इससे स्पेस भी ज्यादा हो जाएगा और अन्य बर्तन भी आ जाएंगे। ऐसे में अगर आप नई अलमारी बनवाने की सोच रहे हैं, तो पहले उसको पुरानी अलमारी से कंपेयर कर लें। नई अलमारी में 2–3 शेल्व एक्स्ट्रा लगवा लें। आप चाहें तो शेल्व में स्लाइडिंग इंसर्ट करवा सकते हैं, उसमें आप छोटे चम्मच रख सकते हैं। इससे किचन पहले से सुंदर लगेगा।

कॉर्नर का इस्तेमाल

बता दें कि रसोई छोटी हो या बड़ी, लेकिन रसोई का हर इंच मायने रखता है। वहीं कुछ जगहें ऐसी भी होती हैं, जिनको हम अनदेखा कर देते हैं। लेकिन इन जगहों को आप क्रिएटिव और स्टाइलिश स्टोरेज स्पेस में बदल सकते हैं। आप कॉर्नर का इस्तेमाल कर हैंगिंग स्टोरेज हैक बना सकते हैं। किचन की किसी भी दीवार के कॉर्नर में शेल्व लगवा सकती हैं। इन जगहों पर प्लेट्स, कप्स और मग्स आदि रख सकते हैं। इससे किचन का कॉर्नर खूबसूरत दिखेगा।

क्यों होती है विटामिन डी की कमी, जानिए इसे कैसे कर सकते हैं दूर

आज के मॉडर्न युग में, जहां लोग दिनभर अपने घरों और डिजिटल दुनिया में उलझे रहते हैं, वजह से वे घरों में ही रहते हैं। बाहर की ताजा हवा और सुबह की धुप की पहली किरण दोनों ही नहीं मिलती हैं। जिसकी कारण विटामिन डी की कमी एक आम स्वास्थ्य समस्या बन गई है। पहले लोग अपने दिन का बड़ा हिस्सा धूप में बिताते थे, लेकिन अब होम डिलीवरी और डिजिटल लाइफस्टाइल ने हमें बाहर जाने की आदत को कम कर दिया है। विटामिन डी, जो कि एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, विटामिन–डी हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरुरी होता हैं। यह शरीर के कई जरुरी तत्त्व को पूरा करता हैं।आपको बता दें कि विटामिन डी हमारे शरीर में पाया जाने वाला एक नेचुरल सब्सटेंस है। जो हमें धूप से मिलता है। लेकिन आखिर क्यों होती है विटामिन डी की कमी।

आज हम विटामिन डी की डेफिशियेंसी के बारे में बात करेंगे। जानने की कोशिश करेंगे कि आखिर विटामिन डी की कमी से लोगों को क्ष्या–क्ष्या स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आ सकती है। आज देश की लगभग 80 से 90 प्रतिशत आबादी विटामिन डी की डेफिशियेंसी से जूझ रही है। चलिए जानते हैं, विटामिन–डी की कमी से शरीर में क्या परेशानियां होती हैं और इसकी कमी को कैसे पूरा करना चाइए।

कैसे जानें कि आप विटामिन डी की कमी से जूझ रहे हैं

विटामिन डी की कमी की पहचान करना महत्वपूर्ण है, ताकि आप समय पर उपचार कर सकें। जब शरीर में विटामिन डी की कमी होती हैं शरीर कई तरह के संकेत देता हैं। जैसे थकान और कमजोरी यदि आप दिनभर थकान और ऊर्जा की कमी महसूस करते हैं, तो यह विटामिन डी की कमी का संकेत हो सकता है।

हड्डियों में दर्द और मांसपेशियों की कमजोरी भी विटामिन डी की कमी के लक्षण हो सकते हैं। यदि आप बार–बार बीमार पड़ते हैं या आपकी इम्यूनिटी कमजोर है, तो विटामिन डी की कमी इसके पीछे एक कारण हो सकता है। आपको बता दे की अगर व्यक्ति को घाव या किसी पररक की चोट हैं तो उस व्यक्ति का घाव जल्दी नहीं भरता। विटामिन डी की कमी से घाव और चोटें को ठीक होने में समय लग सकता हैं।

धूप में कम समय बिताना

शरीर में विटामिन डी की कमी होना सबसे बड़ा कारण हैं धुप में कम समय बिताना। खासकर सूर्य की अल्ट्रावायलेट बी (यूवीबी) किरणें। जब आप धूप में पर्याप्त समय नहीं बिताते हैं, तो आपका शरीर विटामिन डी का निर्माण नहीं कर पाता। आजकल की जीवनशैली में लोग ज्यादातर घर के अंदर रहते हैं या धूप से बचने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, जिससे विटामिन डी की कमी हो सकती है।

खानपान में कमी

विटामिन डी कुछ खाद्य पदार्थों में पाया जाता है, जैसे कि फैटेड फिश (साल्मन, मैकेरल), अंडे, और डेयरी उत्पाद (दूध, पनीर)। अगर आपकी डाइट में इन खाद्य पदार्थों की कमी है, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। शाकाहारी आहार लेने वाले लोगों के लिए यह और भी समस्या का कारण हो सकता है, क्योंकि वे अक्सर विटामिन डी के प्राकृतिक स्रोतों से दूर रहते हैं।

मोटापा

मोटे लोगों में विटामिन डी की कमी हो सकती है क्योंकि ज्यादा वसा विटामिन डी को शरीर में स्टोर कर लेती है, जिससे यह रक्त में कम मात्रा में उपलब्ध रहता है। मोटे लोगों को विटामिन डी की उच्च मात्रा की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि ज्यादा वसा के कारण शरीर की विटामिन डी की जरूरत बढ़ जाती है। ऐसे में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ाएं, जैसे कि फैटेड फिश (साल्मन, मैकेरल), अंडे, और डेयरी प्रोडक्ट्स। इसके अतिरिक्त, विटामिन डी से युक्त फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

सनस्क्रीन का ज्यादा उपयोग

जिन लोगों की त्वचा अत्यधिक संवेदनशील होती है या जो अक्सर सनस्क्रीन का उपयोग करते हैं, उनकी त्वचा पर सूर्य की किरणें ठीक से अवशोषित नहीं होतीं। सनस्क्रीन लगाने से विटामिन डी का उत्पादन कम हो सकता है। सनस्क्रीन का इस्तेमाल विटामिन डी के उत्पादन को प्रभावित कर सकता है। सनस्क्रीन की परत सूर्य की न्ट किरणों को रोकती है, जिससे त्वचा पर विटामिन डी का उत्पादन घट सकता है।

विटामिन डी की कमी को ठीक करना आवश्यक है, ताकि आप स्वस्थ रह सकें और अपनी जीवनशैली को सुधार सकें। आइए जानते हैं कि विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए कौन–कौन से प्रभावी उपाय किए जा सकते हैं, ताकि आप इस महत्वपूर्ण पोषक तत्व की कमी को प्रभावी ढंग से अपने डाइट में शामिल कर सकें।

विटामिन डी की कमी को दूर करने के उपाय

ऑफिस में काम करते हैं या घर के अंदर अधिक समय बिताते हैं, तो धूप का समय निकालना आवश्यक है। पोषणयुक्त आहार का सेवन करें, साथ ही अपनी डाइट में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें।

जैसे

1. फैटेड फिश साल्मन, मैकेरल, ट्यूना, और सर्दी की मछली।

2. अंडेः अंडे की जर्दी में विटामिन डी होता है।

3. डेयरी प्रोडक्ट्स दूध, दही, पनीर।

4. विटामिन डी से फोर्टिफाइड फूड प्रोडक्ट्स जैसे कि विटामिन डी से युक्त अनाज और आटा।

5. फोर्टिफाइड संतरे का रस कई ब्रांड विटामिन डी से फोर्टिफाइड जूस प्रोवाइड करते हैं।

6. विटामिन डी सप्लीमेंट्स ले सकते हैं। अगर आपकी विटामिन डी की कमी गंभीर है या आहार से पर्याप्त विटामिन डी प्राप्त नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर की सलाह पर विटामिन डी सप्लीमेंट्स का सेवन करें। ये आमतौर पर टैबलेट या कैप्सूल के रूप में उपलब्ध होते हैं।

7. सही जीवनशैली अपनाएं

8. अच्छी नींद आपके स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और शरीर की समग्र कार्यक्षमता को बेहतर बनाती है।

9. अगर आप विटामिन डी की कमी के लक्षणों का सामना कर रहे हैं और घरेलू उपायों से राहत नहीं मिल रही है, तो एक चिकित्सक से सलाह लें। डॉक्टर आपके विटामिन डी के स्तर की जांच करेंगे और उचित

उपचार की सलाह देंगे।

इन उपायों को अपनाकर आप विटामिन डी की कमी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

संक्षिप्त

स्पाइसजेट अगले साल अप्रैल तक 10 खड़े विमानों का परिचालन बहाल करेगी

जून तिमाही में घाटे में रही एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा है कि वह अप्रैल, 2026 तक उड़ान सेवाओं से बाहर चल रहे अपने 10 विमानों का परिचालन फिर शुरू करने की योजना बना रही है। जून तिमाही के अंत में स्पाइसजेट के 56 विमानों के बेड़े में से केवल 21 विमान ही परिचालन में थे जबकि 35 विमान तकनीकी या परिचालन कारणों से जमीन पर खड़े थे। कंपनी ने निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में कहा कि अप्रैल, 2026 तक ठप खड़े 10 विमानों को फिर से उड़ान में लाया जायेगा। इनमें से चार–पांच विमानों की उड़ान सेवाएं इस साल सर्दियों की शुरुआत में ही बहाल की जाएंगी ताकि त्योहारी और व्यस्त सत्र की मांग को पूरा किया जा सके। अप्रैल–जून, 2025 की तिमाही में स्पाइसजेट को 238 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 150 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कंपनी ने बताया कि जमीन पर खड़े विमानों की परिचालन सेवाएं बहाल करने के लिए उसने रखरखाव और मरम्मत स्लॉट सुनिश्चित कर लिए हैं। अबतक कुल 19 विमान इंजन मरम्मत के लिये दुनिया भर के केंद्रों में भेजे गए हैं जिनमें सात इंजन बोइंग 737 एनजी, छह इंजन बोइंग 737 मैक्स और छह इंजन क्यू400 विमानों के हैं।

मजबूत वैश्विक रुझानों के चलते शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी

वैश्विक बाजारों में मजबूत रुझानों के चलते सोमवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। इस महीने के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद से बाजार को समर्थन मिला। इसके अलावा हाल में जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान बाजारों में आशावाद को बढ़ाया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 296.26 अंक चढ़कर 81,007.02 पर पहुंच

गया। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 90.35 अंक चढ़कर 24,831.35 पर था। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावर ग्रिड के शेयरों में तेजी रही। दूसरी ओर एशियन पेंट्स, ट्रेंट, भारती एयरटेल और टाइटन में गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,304.91 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,821.23 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.19 प्रतिशत बढ़कर 66.29 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

सोना रिकश्वर्ड ऊंचाई से फिसला, मुनाफावसूली के चलते प्रति 10 ग्राम 606 रुपये की गिरावट

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच निवेशकों के मुनाफावसूली करने से सोमवार को घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसलकर 1,07,122 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 606 रुपये या

0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,07,122 रुपये प्रति 10 ग्राम था। शुक्रवार को यह 1,07,807 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 612 रुपये की गिरावट के साथ 1,08,176 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। चांदी में भी पिछले सप्ताह नए शिखर को छूने के बाद गिरावट देखी गई। दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी का वायदा भाव 977 रुपये या 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,23,720 रुपये प्रति किलोग्राम पर था। चांदी तीन सितंबर को रिकॉर्ड 1,26,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी। विदेशी बाजारों में सोमवार को कॉमेक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा 0.68 प्रतिशत गिरकर 3,628.35 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। पिछले सत्र में यह 3,655.50 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना 3,584.40 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

26 साल के हुए 'प्रिंस'; वनडे में सबसे तेज 2000 रन और 59 की औसत, बनाए कई अनोखे रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आज 26 साल के हो गए। सोशल मीडिया पर फैंस ने उन्हें श्द प्रिंसश कहते हुए जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं हैं। गिल को मौजूदा दौर के सबसे स्टाइलिश और भरोसेमंद बल्लेबाजों में गिना जाता है। अब तक छह साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में ही उन्होंने कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। इसी साल उन्हें टेस्ट की कप्तानी सौंपी गई थी, जबकि सीमित ओवर के प्रारूपों में वह भारतीय टीम का उपकप्तान हैं। उन्हें शकिंगश विराट कोहली का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। आइए गिल के करियर और उनके रिकॉर्ड्स के बारे में जानते हैं...

टेस्ट और वनडे में शानदार रिकॉर्ड्स

शुभमन गिल ने अपने छोटे से करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर किसी सीरीज में सबसे ज्यादा रन (754) बनाने में वे ओवरऑल दूसरे स्थान और भारतीयों में पहले स्थान पर हैं। यह रिकॉर्ड उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर बनाया था। डॉन ब्रैडमैन के 810 रन के रिकॉर्ड को वह तोड़ने से चूक गए थे।

किसी एक टेस्ट सीरीज में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन

डॉन ब्रैडमैन (ऑस्ट्रेलिया) 810, शुभमन गिल (भारत) 754, ग्राहम गूच (इंग्लैंड) 752, सुनील गावस्कर (भारत) 732, डेविड गॉवर (इंग्लैंड) 732 इसके अलावा एक ही टेस्ट मैच में शतक और शून्य (डक) लगाने का अनोखा रिकॉर्ड भी उनके नाम है। वह उन बल्लेबजों की सूची में भी शामिल हैं, जिन्होंने एक ही टेस्ट में एक पारी में दोहरा शतक और दूसरी पारी में शतक लगाया हो। एक टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों में वह ओवरऑल संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर और भारतीयों में संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। गिल ने इंग्लैंड दौरे पर चार शतक जड़े थे और सुनील गावस्कर की बराबरी की थी। इस लिस्ट में शीर्ष पर वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज वॉलकॉट हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में 1955 में पांच शतक जड़े थे।

वनडे क्रिकेट में करियर का दूसरा सबसे ऊंचा बल्लेबाजी औसत (59.04) गिल के नाम है। वह बस रेयान टेन डेशकाटे से पीछे हैं, जिनका औसत 67.00 का है। वनडे में सबसे तेजी से 2000 रन (सिर्फ 38 पारियों में) पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बने। एक कैलेंडर ईयर में वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सातवें स्थान पर हैं (1584 रन)।

गिल का अंतरराष्ट्रीय करियर

गिल ने अब तक 37 टेस्ट मैचों में 41.35 की औसत से 2647 रन बनाए हैं। इनमें नौ शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, वनडे में वह 55 मैचों में 59.04 की औसत से 2775 रन बना चुके हं। इनमें आठ शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में गिल 30.42 की औसत और 139.27 के स्ट्राइक रेट से 578 रन बना चुके हैं। इनमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

करियर की खासियत

शुभमन गिल अपनी तकनीक, क्लासिकल शॉट्स और बड़े मौकों पर खेलने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक उन्होंने कई यादगार पारियां खेली हैं। उन्हें भविष्य में भारतीय बल्लेबाजी का मुख्य स्तंभ माना जा रहा है। गिल के रिकॉर्ड्स और उपलब्धियां इस बात का सबूत हैं कि वे आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। अब वह एशिया कप टी20 में खेलते दिखाई पड़ेंगे।

एशिया कप से पहले पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज, फाइनल में अफगानिस्तान को हराया, नवाज की हैट्रिक

शारजाह। एशिया कप 2025 से ठीक पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शारजाह में खेले गए त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रनों से मात दी। इस जीत की सबसे बड़ी हीरो रहे ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से अफगान टीम को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 141/8 का स्कोर बनाया। अफगानिस्तान की टीम इस लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 66 रन पर सिमट गई। नवाज ने कुल 3.5 ओवर में 19 रन देकर पांच विकेट लिए, जिसमें एक शानदार हैट्रिक भी शामिल रही। नवाज को शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने पहले दरविश रसूली और अजमतुल्लाह ओमरजई को लगातार गेंदों पर बिना खाता खोले आउट किया और फिर अपनी अगली ओवर की पहली ही गेंद पर इब्राहिम जादरान (9) को पवेलियन भेज दिया। इसके साथ ही नवाज पाकिस्तान के तीसरे गेंदबाज बने जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में हैट्रिक बनाई। उनसे पहले फहीम अशरफ और मोहम्मद हसनैन यह कारनामा कर चुके हैं। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि, शुरुआत खराब रही और साहिबजादा फरहान तीसरी गेंद पर ही बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद फखर जमां (27) और सैम अयूब (17) ने दूसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़े। कप्तान सलमान आगा (24 रन, 27 गेंद) ने संघर्षपूर्ण पारी खेली, जबकि नवाज ने बल्ले से भी योगदान देते हुए 21 गेंदों पर 25 रन बनाए, जिसमें दो शानदार छक्के शामिल थे। अफगान कप्तान राशिद खान ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया और चार ओवर में 3 विकेट चटकाए। उन्होंने जमां, हसन नवाज (15) और आगा को पवेलियन भेजा। 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। नवाज और पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया। राशिद खान (17 रन) और सदीकुल्लाह अतल (13 रन) ही दो ऐसे बल्लेबाज़ रहे जो दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। अफगानिस्तान का स्कोर 15.5 ओवर में 66 रन पर सिमट गया, जो टी20आई इतिहास में उनका दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2024 टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 56 रन बनाए थे।

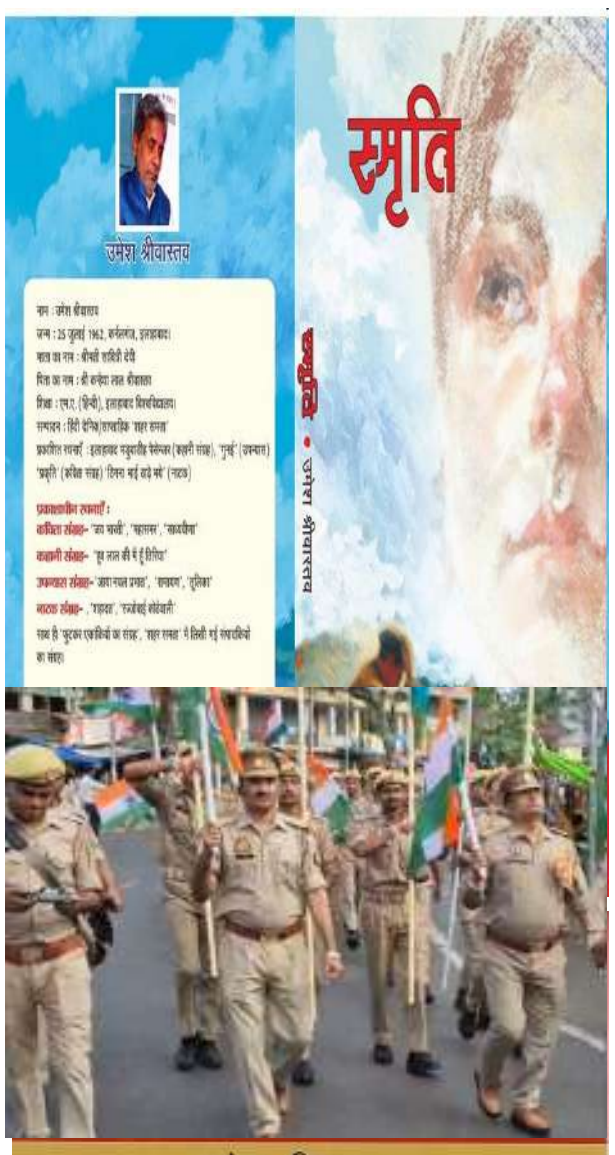

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

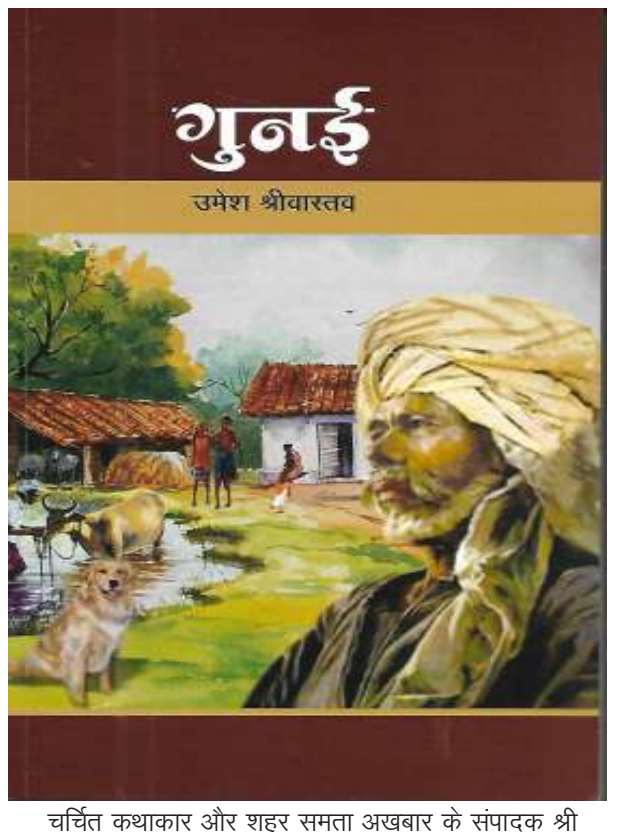

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

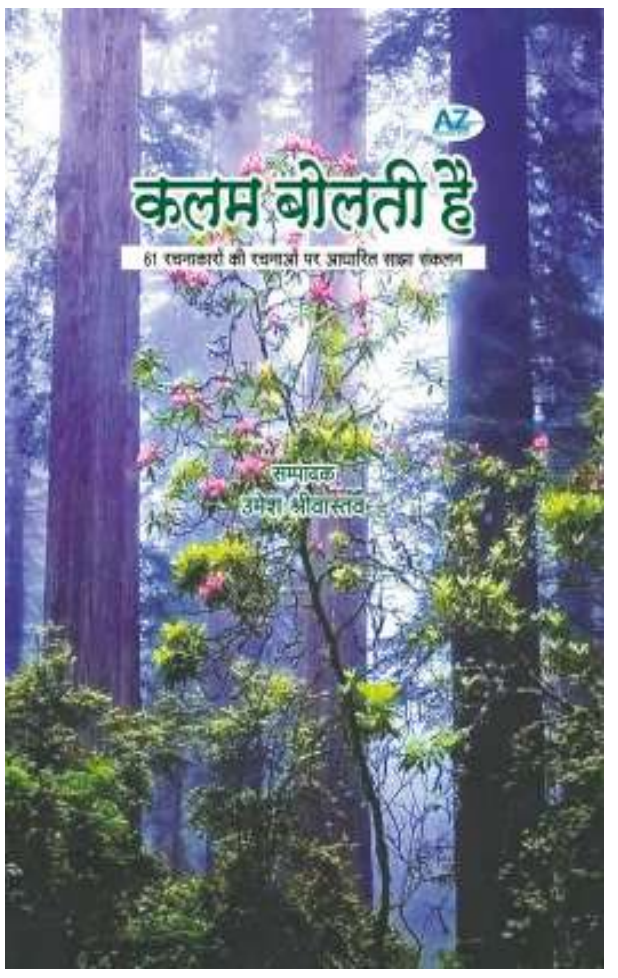

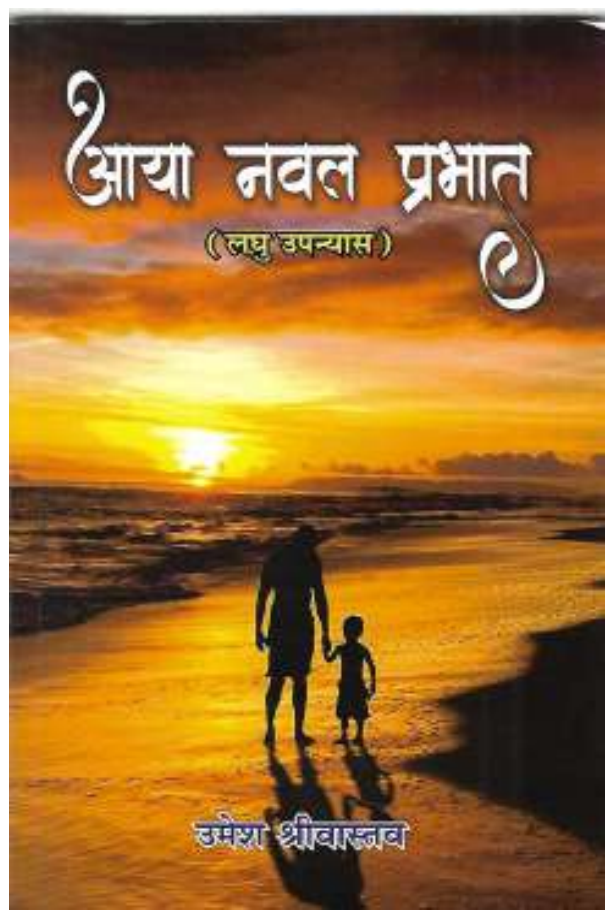

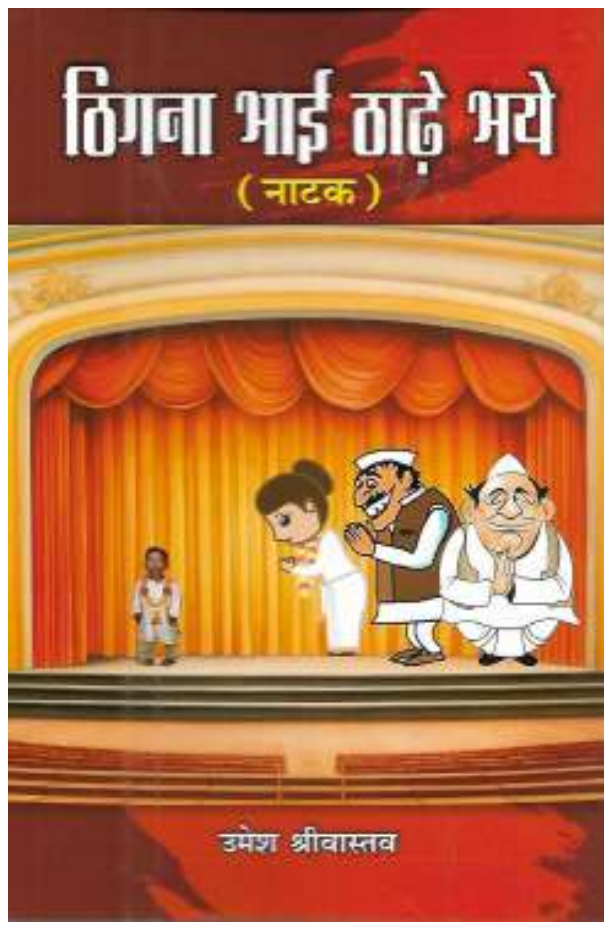

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

हिंसा के बीच सड़कों पर उतरी सेना, देखते ही गोली मारने के आदेश जारी, अब तक 9 लोगों की मौत

सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब और स्नैपचौट समेत कई प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध के विरोध में जेन ज़ प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। हज़ारों प्रदर्शनकारी अपनी असहमति जताने के लिए काठमांडू के मैतीघर में एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र का उल्लंघन कर संसद परिसर में घुसने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। पुलिस ने पानी की बौछारों, आंसू गैस और गोला–बारूद से जवाबी कार्रवाई की। नेपाल में अशांति के कारण भारत ने भी सुरक्षा बढ़ा दी है। सशस्त्र सीमा बल ने भारत–नेपाल सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है और सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सतर्कता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त जवानों को तैनात किया है।

प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस की झड़प

काठमांडू में संसद भवन के बाहर तनाव बढ़ने पर दंगा पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। सुरक्षा बल डटे रहे और बढ़ती हुई तनावपूर्ण स्थिति को संभालने के लिए भीड़ नियंत्रण उपायों का इस्तेमाल किया। विरोध प्रदर्शन टकराव में बदल गए हैं और अधिकारी बढ़ती अशांति के बीच व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयासरत हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि काठमांडू के विरोध–प्रभावित इलाकों में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए नेपाली सेना को तैनात किया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अधिकारी बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने और चल रहे प्रदर्शनों के बीच शांति बहाल करने के प्रयास कर रहे हैं।

संसद पर धावा बोलने की कोशिश के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया

अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नेपाली पुलिस ने संसद भवन पर धावा बोलने की कोशिश कर रहे युवा प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियां चलाईं। काठमांडू जिला कार्यालय के प्रवक्ता मुक्तिराम रिजाल ने मीडिया को बताया कि विरोध प्रदर्शनों के हिंसक हो जाने के बाद व्यवस्था बहाल करने में मदद के लिए स्थानीय समयानुसार रात 10 बजे (1615 ळडज) तक कर्फ्यू लगा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलने के लिए पानी की बौछारें, लाठियाँ और रबर की गोलियां इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया है।

आसपास के इलाकों में लगा कर्फ्यू

सोमवार को काठमांडू जिला प्रशासन ने न्यू बानेश्वर और आसपास के क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया, क्योंकि प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। ये विरोध उस समय तेज़ हुआ जब सरकार ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब और स्नैपचौट समेत 26 अपंजीकृत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगाने का फैसला किया। प्रदर्शनकारियों द्वारा निषिद्ध क्षेत्र में घुसने पर हालात और बिगड़ गए। न्यू बानेश्वर में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए जिन्हें एवरेस्ट, सिविल और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस बीच, कार्यकर्ताओं ने मैतीघर क्षेत्र में एक अस्थायी प्राथमिक चिकित्सा शिविर भी स्थापित किया है।

संक्षिप्त

रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का 'दूसरा चरण' लागू करने के लिए तैयार : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह रूस पर ''दूसरे चरण'' के प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप से 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के बाहर पूछा गया था कि क्या वह रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''हां, मैं तैयार हूं।'' ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस बयान के तुरंत बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाते हैं तो रूसी अर्थव्यवस्था ''ध्वस्त'' हो जाएगी। बेसेंट ने 'एनबीसी न्यूज' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे डी वेंस की यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ एक बहुत ही सार्थक बातचीत हुई। ट्रंप और वेंस ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष से शुक्रवार को बातचीत की और इस बात पर भी चर्चा की कि रूस पर और दबाव बनाने के लिए अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) क्या कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर पहले से घोषित 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क के अलावा अतिरिक्त 25 प्रतिशत का शुल्क लगाया है, जिससे 27 अगस्त से भारत पर लगाया गया शुल्क कुल 50 प्रतिशत हो गया है। पिछले हफ्ते ट्रंप ने कहा कि उन्होंने रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाए हैं जो ''चीन के बाहर सबसे बड़ा खरीदार'' है और संकेत दिया कि उन्होंने अब तक ''चरण दो या चरण तीन'' लागू नहीं किए हैं। बेसेंट और व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने कहा है कि भारत का रूसी तेल खरीदना यूक्रेन में रूसी युद्ध प्रयासों का वित्तपोषण कर रहा है। भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों को ''अनुचित'' बताया है। रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

निवेश के लिए विदेश यात्रा संतोषजनक रही : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि राज्य पर भरोसा जताते हुए 10 नयी कंपनियां सहयोगी उपक्रम के लिए आगे आई हैं, जबकि 17 कंपनियों ने अपने कारोबार का विस्तार करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के जर्मनी और ब्रिटेन से लौटने पर चेन्नई हवाई अड्डे पर राज्य के मंत्रियों और अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर स्टालिन ने कहा कि उन्होंने राज्य के लिए बड़े निवेश सुनिश्चित किए हैं, यही वजह है कि विपक्षी पार्टियां उनकी यात्रा को बर्दाश्त नहीं कर पा रहीं। यहां पहुंचने के तुरंत बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जर्मनी और ब्रिटेन की मेरी एक हफ्ते की यात्रा संतोषजनक और सफल रही। इसके जरिए 15,516 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे 17,613 लोगों को रोजगार मिलेगा। कुल मिलाकर 33 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। मेरी विदेशी यात्रा बेहद सफल रही है।'' स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में अनुकूल और बेहतर औद्योगिक माहौल के कारण 17 कंपनियों ने अन्य राज्यों में जाने के बजाय यहीं अपने कारोबार के विस्तार का निर्णय लिया है।

जेलेंस्की के बदले तेवर, भारत के खिलाफ उगला जहर

पहले कहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की भारतीय पीएम से फोन पर बात कर रहे थे। लेकिन एससीओ समिट में रूस, चीन और भारत की तिकड़ी देखने के बाद वो खुलकर अब अमेरिका के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने पहली बार भारत को लेकर एक ऐसा बयान दिया है जो दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों को बदलकर रख देगा। उन्होंने पहली बार भारत के खिलाफ खुलकर बोलते हुए अमेरिका का समर्थन किया है। जेलेंस्की ने अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ बिल्कुल सही हैं। एबीसी न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में ज़ेलेंस्की ने कहा कि मुझे लगता है कि.रूस के साथ सौदे जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार है। ज़ेलेंस्की से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा पर उनके विचार पूछे गए थे। गौरतलब है कि पीएम मोदी की चीन और रूस के नेताओं के साथ ली गई थीं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है। पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ट्रंप की शिखर वार्ता कोई कूटनीतिक सफलता हासिल करने में विफल रही। ट्रंप ने कहा कि वह रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने भी मास्को पर नए प्रतिबंधों के संकेत दिए, और भारत का उदाहरण दिया। यूक्रेन पर रूस के हालिया सैन्य हमले के बाद हैसेट ने कहा कि राष्ट्रीय आर्थिक परिषद में, हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम प्रतिबंधों को लागू करें और जो लोग यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद कर रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ट्रंप का टैरिफ गेम पूरा पलट जाएगा, वापिस करने पड़ सकते हैं 31 अरब डॉलर

दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं को अपने टैरिफ रूपी हथियार से झुकाने का ख्वाब देखने वाले अमेरिका को अब उसकी नीतियां ही भारी पड़ रही है। अब अमेरिकी सरकार पर ही अरबों डॉलर वापस लौटाने का खतरा मंडरा रहा है और इसका फैसला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में होने वाला है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस की कमान दोबारा संभालने के बाद अपने इस कार्यकाल में आक्रमक नीति अपनाई। उन्होंने रेसिप्रोकल टैरिफ यानी की प्रतिशोधात्मक शुल्क का सहारा लेते हुए 180 से ज्यादा देशों पर 10 : से 50 : तक के टैरिफ लगाए। इसमें भारत, चीन, कनाडा, ब्राजील जैसे बड़े देश शामिल थे। अकेले भारत पर अगस्त 2025 में दो बार टैरिफ बढ़ाए गए। 7 अगस्त को 25 : और 27 अगस्त को 50 : कर दिए गए। ट्रंप का दावा था कि इससे अमेरिका को फायदा होगा और विदेशी कंपनियां झुक जाएंगी। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2025 में टैरिफ से 31 अरब डॉलर की कमाई की है यानी एक महीने में ही भारी राजस्व हासिल किया। लेकिन अब इस रकम पर खतरा है। दरअसल, टैरिफ के मुद्दे पर मामला कोर्ट पहुंच चुका है। इस कोर्ट ने फैसला सुनाया कि डोनाल्ड ट्रंप ने इंटइनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट यानी आईईईपीए कानून का गलत उपयोग किया है। आईईईपीए कानून सिर्फ आपात स्थितियों में लागू होता है। कोर्ट ने कहा कि व्यापारिक मुद्दे को लेकर इतना बड़ा टैरिफ लगाना राष्ट्रपति के अधिकार का अतिक्रमण है। अब ये मामला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में गया है। लेकिन इस बीच अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसन ने एनबीएस न्यूज के कार्यक्रम में कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने फेडरल कोर्ट का फैसला बरकरार रखा तो हमें करीब आधे टैरिफ रिफंड करने पड़ सकते हैं। बेसेंट ने कहा कि हमें लगभग आधे टैरिफ पर रिफंड देना होगा, जो ट्रेजरी के लिए भयानक होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रशासन उन पुनर्भुगतानों को जारी करने के लिए तैयार है, तो उन्होंने स्वीकार किया कि अगर अदालत ऐसा कहती है, तो हमें ऐसा करना होगा। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें विश्वास है कि ट्रम्प प्रशासन जीत जाएगा। बेसेन्ट की यह टिप्पणी दो संघीय न्यायालयों द्वारा यह पाये जाने के बाद आई है कि ट्रम्प के पास 1977 के अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत व्यापक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। अगस्त में नए टैरिफ लागू होने के बाद से, अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग ने 70 अरब अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा की राशि एकत्र की है, जो इस साल एकत्रित 180 अरब अमेरिकी डॉलर के टैरिफ राजस्व के आधे से भी कम है। बेसेन्ट ने चेतावनी दी है कि अगर मुक़दमेबाज़ी 2026 के मध्य तक चलती है, तो कुल रिफंड 750 अरब अमेरिकी डॉलर से 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच हो सकता है, जिससे अमेरिकी वित्त में ष्काफी व्यवधानष पैदा हो सकता है।

भारत के लिए अमेरिका में हो गई मारामारी, पीटर नवारो को एलन मस्क ने गजब का धोया!

भारत से भिड़ने का अंजाम क्या होता है। ये तो पूरी दुनिया ने देख ही लिया। अमेरिका के साथ क्या कुछ हुआ। लेकिन अब इसी अमेरिका में ट्रंप के दो करीबियों की भिड़ंत हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और व्हाइट हाउस के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो जो भारत पर दिन रात जहर उगलते हैं, उन्होंने एलन मस्क पर तीखा हमला बोल दिया है। दरअसल,

मामला तब शुरू होता है जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने उनके पोस्ट पर फैक्ट चेक जोड़ दिया। नवारो ने अपने पोस्ट में आरोप लगाया था कि भारत रूस से तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है और इस राजस्व से रूस का वॉर मशीन चल रहा है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर नवारो ने लिखा कि भारत केवल मुनाफे के लिए रूस से तेल खरीदता है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण से पहले उसने एक बूंद भी तेल नहीं खरीदा था। भारत सच झूठ को बर्दाश्त नहीं कर सकता है। इसी के बाद एलन मस्क एक्टिव हो जाते हैं। फिर एलन मस्क के प्लेटफॉर्म एक्स ने उनके पोस्ट पर एक कम्युनिटी नोट जोड़ दिया, जिसमें कहा गया कि भारत का रूसी तेल खरीदना कानूनी और संप्रभु अधिकार है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं है। ये भी बताया गया कि अमेरिका खुद अरबों डॉलर का रूसी सामान जैसे यूरेनियम आयात कर रहा है। इसलिए भारत पर सवाल उठाना दोहरा मापदंड है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के फैक्ट चेक के बाद ट्रंप के करीबी नवारो फिर से भड़क उठे और उन्होंने अपने अंदाज में एलन मस्क पर हमला बोलते हुए लिख दिया कि वाह, मस्क लोगों की पोस्ट पर प्रोपोगैंडा फैला रहे हैं। नीचे दिया गया घटिया नोट भी यही है। भारत रूस से तेल सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए खरीदता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण से पहले उसने कोई तेल नहीं खरीदा था। भारत सरकार की स्पिन मशीन उच्च गति से चल रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो, अमेरिकियों की नौकरियां छीनना बंद करो। इस पोस्ट भी एक्स ने फैक्ट चेक कर दिया और कहा कि भारत का एनर्जी रेट उसकी संप्रभु निर्णय है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं करता। प्लेटफॉर्म ने फिर अमेरिका के डबल स्टैंडर्ड पर जोर दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह रूस पर दूसरे चरण के प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप से व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के बाहर पूछा गया था कि क्या वह रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा, हां, मैं तैयार हूं। ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस बयान के तुरंत बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाते हैं तो रूसी अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी।

यरूशलम में गोलीबारी में पांच की मौत, 15 घायल, दो हमलावर ढेर

इज़राइली पुलिस और पैरामेडिक सेवा के प्रमुख मैगन डेविड एडोम के अनुसार, सोमवार सुबह उत्तरी यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर बंदूकधारियों द्वारा एक बस पर की गई गोलीबारी में कम से कम पाँच लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। घायलों में से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। गोलीबारी येरूशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी येरूशलम में यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क के किनारे है। इज़राइली मीडिया ने बताया कि दोनों हमलावर यात्रियों पर गोलीबारी करने से पहले एक बस में सवार हुए। पुलिस ने बाद में कहा कि दोनों हमलावरों को मार गिराया गया, हालाँकि उनकी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हुई है। हमले के फुटेज में सुबह के व्यस्त समय में व्यस्त चौराहे पर एक बस स्टॉप से घ्ध्दर्जनों लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर पहुँचे पैरामेडिक्स ने बताया कि इलाका अफरा–तफरी में था और टूटे हुए शीशे से ढका हुआ था, लोग घायल और बेहोश पड़े थे, बस स्टॉप के पास सड़क और फुटपाथ पर। अभी तक किसी भी फ़िलिस्तीनी उग्रवादी समूह ने हमले की ज़िम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना गाजा में चल रहे युद्ध से जुड़ी हिंसा में वृद्धि के बीच हुई है, जिसमें इज़राइल और कब्जे वाले पश्चिमी तट दोनों में बार–बार झड़पें हो रही हैं। फ़िलिस्तीनी उग्रवादियों ने गोलीबारी और चाकूबाजी की है, जबकि फ़िलिस्तीनियों के खिलाफ बसने वालों की हिंसा भी तेज हो गई है।

पाकिस्तान में शुरू हो रहा बड़ा खेल! नूर खान एयरबेस पर अचानक उतरा अमेरिका का सैन्य विमान, भारत चौकन्ना

अमेरिका से आया विमान पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर उतरा है। वही नूर खान एयरबेस जिसके परखच्चे भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उड़ा दिए थे। पाकिस्तान के इस सबसे महत्वपूर्ण एयरबेस को भारत ने इतना नुकसान पहुंचाया था कि बीते तीन महीनों से यहां कोई विमान लैंड नहीं कर पाया था। लेकिन अब यहां अचानक अमेरिका का सी–17 ग्लोबमास्टर मिल्ट्री ट्रांसपोर्ट विमान नूर खान में उतरा है। ये विमान अमेरिका से कुवैत के रास्ते पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस में लैंड कर गया। आपको बता दें कि पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर लैंड किया अमेरिका का सी–17 ग्लोबमास्टर बलूचिस्तान के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस विमान को देख भारत भी चौंकन्ना हो गया है। नूर खान वही एयरबेस है जिसका इस्तेमाल अमेरिका ने 2001 में अफगानिस्तान पर हमला करने के लिए किया था। अब हो सकता है कि इसी एयरबेस से पाकिस्तान अमेरिका की मदद से बलूचिस्तान पर हमला कर दे। सवाल उठ रहे हैं कि महीनों से खराब पड़े नूर खान एयरबेस पर अचानक अमेरिका का सैन्य विमान क्यों उतर गया?दरअसल, पाकिस्तान स्थित अमेरिकी दूतावास ने दुनिया को ये बताया है कि पाकिस्तान की सेना ने तबाही मचा रही बाढ़ से बचने के लिए राहत सामग्री मांगी है। इसलिए पाकिस्तान के लोगों के लिए हमने इस विमान में राहत सामग्री भेजी है। दूतावास ने अपने बयान में कहा कि अमेरिकी सैन्य विमानों ने विनाशकारी बाढ़ से निपटने के लिए पाकिस्तानी सेना के अनुरोध पर आवश्यक सामग्री पहुँचाई। नूर खान एयर बेस पर, सीडीए बेकर ने व्यापक, विनाशकारी बाढ़ से तबाह हुए पाकिस्तान के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान (यूएस एआरसीईएनटी) के तहत कुल छह विमानों के माध्यम से राहत सामग्री पाकिस्तान पहुँचाई जाएगी। इनमें टेंट, जल शोधन पंप, जनरेटर और अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क निदेशालय (आईएसपीआर) के अनुसार, पहली खेप औपचारिक रूप से पाकिस्तानी सेना को सौंप दी गई है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में भारी मानसूनी बारिश से पंजाब प्रांत बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, उनके घर जलमग्न हो गए हैं, फसलें नष्ट हो गई हैं और बड़ी संख्या में लोग अस्थायी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। सिंध सरकार का अनुमान है कि पंजाब से सिंध में प्रवेश करने वाले बाढ़ के पानी से 16 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हो सकते हैं। अगर सिंध में बाढ़ का स्तर बहुत ज़्यादा होता है, तो हालात और बिगड़ सकते हैं, जिससे पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। अब जाहिर सी बात है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिका का कोई विमान पाकिस्तान पहुंचता है। तो भारत समेत पूरी दुनिया पर उसकी नजर रहेगी।

इजराइल ने फलस्तीनी कैदियों को भूखा रखा : उच्चतम न्यायालय

इजराइल के उच्चतम न्यायालय ने रविवार को कहा कि इजराइली सरकार ने फलस्तीनी कैदियों को ठीक से भोजन तक नहीं दिया, और सरकार को आदेश दिया कि वह इन कैदियों को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराए। यह फैसला 'एसोसिएशन फॉर सिविल राइट्स इन इजराइल' और 'गीशा' नामक मानवाधिकार संस्था द्वारा पिछले वर्ष दायर याचिका पर सुनाया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।